License Information

Translation Questions (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Questions (unfoldingWord)

यूहन्ना 1:1

आदि में क्या था?

आदि में वचन था।

यूहन्ना 1:1 (#2)

वचन कौन था?

वचन परमेश्वर था।

यूहन्ना 1:1–2

वचन किसके साथ था?

वचन परमेश्वर के साथ था।

यूहन्ना 1:3

क्या वचन के बिना कुछ उत्पन्न हुआ?

सब कुछ उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ और जो कुछ उत्पन्न हुआ है, उसमें से कोई भी वस्तु उसके बिना उत्पन्न न हुई।

यूहन्ना 1:4

वचन में क्या था?

उसमें जीवन था।

यूहन्ना 1:6

परमेश्वर द्वारा भेजे गए मनुष्य का नाम क्या था?

एक मनुष्य परमेश्वर की ओर से भेजा हुआ, जिसका नाम यूहन्ना था।

यूहन्ना 1:7

यूहन्ना क्या गवाही देने आए थे?

यह गवाही देने आया, कि ज्योति की गवाही दे, ताकि सब उसके द्वारा विश्वास लाएँ।

यूहन्ना 1:8–11

क्या जगत ने उस ज्योति को पहचाना या ग्रहण किया जिसके बारे में यूहन्ना ने गवाही दी?

जगत ने उसे नहीं पहचाना। वह अपने घर में आया और उसके अपनों ने उसे ग्रहण नहीं किया।

यूहन्ना 1:12

ज्योति ने उनके लिए क्या किया जिन्होंने उसके नाम पर विश्वास किया?

परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर के सन्तान होने का अधिकार दिया।

यूहन्ना 1:13

जो लोग उनके नाम पर विश्वास करते थे, वे परमेश्वर के सन्तान कैसे बन सकते थे?

वे परमेश्वर द्वारा उत्पन्न होकर परमेश्वर के सन्तान बन सकते थे।

यूहन्ना 1:14

क्या वचन के समान कोई अन्य व्यक्ति है या था, जो पिता से आया हो?

नहीं! वचन ही एकमात्र अद्वितीय व्यक्ति है जो पिता से आए हैं।

यूहन्ना 1:16

यूहन्ना ने जिस परिपूर्णता की गवाही दी, उनसे हमें क्या मिला है?

उसकी परिपूर्णता से हम सब ने प्राप्त किया अर्थात् अनुग्रह पर अनुग्रह।

यूहन्ना 1:17

यीशु मसीह के द्वारा क्या पहुँची?

अनुग्रह और सच्चाई यीशु मसीह के द्वारा पहुँची।

यूहन्ना 1:18

क्या किसी ने कभी परमेश्वर को देखा है?

परमेश्वर को किसी ने कभी नहीं देखा।

यूहन्ना 1:18 (#2)

परमेश्वर को हमें किसने प्रगट किया है?

जो एकलौता पुत्र जो पिता की गोद में हैं, उसी ने उसे हमें प्रगट किया है।

यूहन्ना 1:22–23

जब यरूशलेम के याजकों और लेवियों ने यूहन्ना से पूछा कि "तू है कौन", तो उसने क्या कहा कि वह कौन है?

उन्होंने कहा, जैसा यशायाह भविष्यद्वक्ता ने कहा है, "मैं जंगल में एक पुकारनेवाले का शब्द हूँ: 'प्रभु का मार्ग सीधा करो।"

यूहन्ना 1:29

जब यूहन्ना ने यीशु को अपनी ओर आते देखा, तो उन्होंने क्या कहा?

उन्होंने कहा, "देखो, यह परमेश्वर का मेम्ना है, जो जगत के पाप हरता है।"

यूहन्ना 1:31

यूहन्ना जल से बपतिस्मा देने के लिए क्यों आए?

वह जल से बपतिस्मा देने आए ताकि यीशु, परमेश्वर के मेम्ने, जो जगत के पाप हरता है, वह इस्राएल पर प्रगट हो जाए।

यूहन्ना 1:32–33

वह कौन सा चिन्ह था जिससे यूहन्ना को यीशु के परमेश्वर के पुत्र होने का पता चला?

चिन्ह यह था कि जिस पर यूहन्ना आत्मा को उतरते और ठहरते देखे; वही पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देनेवाला है।

यूहन्ना 1:37

यूहन्ना के दोनों चेलों ने क्या किया जब उन्होंने यूहन्ना को यीशु को "परमेश्वर का मेम्ना" कहते हुए सुना?

वे यीशु के पीछे हो लिए।

यूहन्ना 1:40

उन दोनों में से एक का नाम क्या है जिन्होंने यूहन्ना को बोलते सुना और फिर यीशु के पीछे हो लिए?

उन दोनों में से एक का नाम अन्द्रियास है।

यूहन्ना 1:41

अन्द्रियास ने अपने सगे भाई शमौन को यीशु के बारे में क्या बताया?

अन्द्रियास ने शमौन से कहा, "हमको ख्रिस्त अर्थात् मसीह मिल गया।"

यूहन्ना 1:42

यीशु ने क्या कहा कि शमौन कहलाएगा?

यीशु ने कहा कि शमौन "कैफा" कहलाएगा (जिसका अर्थ 'पतरस' है)।

यूहन्ना 1:44

अन्द्रियास और पतरस का नगर कौन सा था?

अन्द्रियास और पतरस का नगर बैतसैदा था।

यूहन्ना 1:49

नतनएल ने यीशु के बारे में क्या कहा?

नतनएल ने कहा, “हे रब्बी, तू परमेश्वर का पुत्र हे; तू इस्राएल का महाराजा है।”

यूहन्ना 1:51

यीशु ने क्या कहा कि नतनएल क्या देखेगा?

यीशु ने नतनएल से कहा कि वह स्वर्ग को खुला हुआ, और परमेश्वर के स्वर्गदूतों को ऊपर जाते और मनुष्य के पुत्र के ऊपर उतरते देखेगा।

यूहन्ना 2:1–2

गलील के काना का विवाह में कौन निमंत्रित था?

यीशु, उनकी माता, और उनके चेले गलील के काना का विवाह में निमंत्रित थे।

यूहन्ना 2:3–5

यीशु की माता ने यीशु से क्यों कहा, "उनके पास दाखरस नहीं रहा"?

उन्होंने यीशु से यह कहा क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि वह इस स्थिति के बारे में कुछ करेंगे।

यूहन्ना 2:7–8

यीशु ने अपने सेवकों को कौन-सी दो बातें करने को कहा?

उन्होंने पहले उनसे मटकों में पानी से भरने के लिए कहा। फिर उन्होंने उनसे कहा, “अब निकालकर भोज के प्रधान के पास ले जाओ।

यूहन्ना 2:10

भोज के प्रधान ने क्या कहा जब उन्होंने उस पानी का स्वाद चखा जो दाखरस बन गया था?

भोज के प्रधान ने कहा, "हर एक मनुष्य पहले अच्छा दाखरस देता है, और जब लोग पीकर छक जाते हैं, तब मध्यम देता है; परन्तु तूने अच्छा दाखरस अब तक रख छोड़ा है।"

यूहन्ना 2:11

इस चमत्कारी चिन्ह को देखकर यीशु के चेलों की क्या प्रतिक्रिया थी?

यीशु के चेलों ने यीशु पर विश्वास किया।

यूहन्ना 2:14

जब यीशु यरूशलेम के मन्दिर में गए, तो उन्होंने क्या देखा?

उन्होंने बैल, और भेड़ और कबूतर के बेचनेवालों ओर सर्राफों को बैठे हुए पाया।

यूहन्ना 2:15

यीशु ने बेचनेवालों ओर सर्राफों के साथ क्या किया?

उन्होंने रस्सियों का एक कोड़ा बनाया और सभी को मन्दिर से बाहर निकाल दिया, जिसमें भेड़ों और बैलों दोनों शामिल थे। उन्होंने सर्राफों के पैसे बिखेर दिए और उनकी मेजों को उलट दिया।

यूहन्ना 2:16

यीशु ने कबूतर बेचनेवालों से क्या कहा?

उन्होंने कहा, "इन्हें यहाँ से ले जाओ। मेरे पिता के भवन को व्यापार का घर मत बनाओ।"

यूहन्ना 2:18

यहूदियों ने मन्दिर में यीशु के कार्यों पर कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त की?

उन्होंने यीशु से पूछा, “तू जो यह करता है तो हमें कौन सा चिन्ह दिखाता है?”

यूहन्ना 2:19

यीशु ने यहूदियों को कैसे उत्तर दिया?

उन्होंने उन्हें उत्तर दिया, “इस मन्दिर को ढा दो, और मैं इसे तीन दिन में खड़ा कर दूँगा।”

यूहन्ना 2:21

यीशु किस मन्दिर का उल्लेख कर रहे थे?

यीशु ने अपनी देह के मन्दिर के विषय में कहा था।

यूहन्ना 2:23

क्यों बहुतों ने यीशु के नाम पर विश्वास किया?

बहुतों ने उन चिन्हों को जो वह दिखाता था देखकर उसके नाम पर विश्वास किया।

यूहन्ना 2:24–25

यीशु ने अपने आपको उनके भरोसे पर क्यों नहीं छोड़ा?

यीशु ने अपने आपको उनके भरोसे पर इसलिए नहीं छोड़ा क्योंकि वह सब को जानता था, और उसे प्रयोजन न था कि मनुष्य के विषय में कोई गवाही दे, क्योंकि वह आप जानता था कि मनुष्य के मन में क्या है?

यूहन्ना 3:1

नीकुदेमुस कौन थे?

नीकुदेमुस एक फरीसी थे, जो यहूदियों का सरदार था।

यूहन्ना 3:2

नीकुदेमुस ने यीशु के बारे में क्या गवाही दिया?

नीकुदेमुस ने यीशु से कहा, "हे रब्बी, हम जानते हैं, कि तू परमेश्वर की ओर से गुरु होकर आया है; क्योंकि कोई इन चिन्हों को जो तू दिखाता है, यदि परमेश्वर उसके साथ न हो, तो नहीं दिखा सकता।"

यूहन्ना 3:3–4

यीशु ने नीकुदेमुस से क्या कहा जिसने नीकुदेमुस को भ्रमित किया और उलझन में डाल दिया?

यीशु ने नीकुदेमुस से कहा कि यदि कोई नये सिरे से न जन्मे तो परमेश्वर का राज्य देख नहीं सकता।

यूहन्ना 3:4

नीकुदेमुस ने कौन से सवाल पूछे जिनसे हमें पता चलता है कि यीशु के कथनों ने नीकुदेमुस को उलझन में डाल दिया था?

नीकुदेमुस ने उससे कहा, "मनुष्य जब बूढ़ा हो गया, तो कैसे जन्म ले सकता है? क्या वह अपनी माता के गर्भ में दूसरी बार प्रवेश करके जन्म ले सकता है?"

यूहन्ना 3:10

यीशु ने नीकुदेमुस को क्या कहा?

यीशु ने उससे कहा, "तू इस्राएलियों का गुरु होकर भी क्या इन बातों को नहीं समझता?"

यूहन्ना 3:13

स्वर्ग में कौन चढ़ा है?

कोई स्वर्ग पर नहीं चढ़ा, केवल वही जो स्वर्ग से उतरा, अर्थात् मनुष्य का पुत्र जो स्वर्ग में है।

यूहन्ना 3:14–15

मनुष्य का पुत्र को क्यों ऊँचे पर चढ़ाया जाना चाहिए?

उन्हें ऊँचे पर चढ़ाया जाना चाहिए ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह अनन्त जीवन पाए।

यूहन्ना 3:16

परमेश्वर ने यह कैसे प्रकट किया कि उन्होंने जगत से प्रेम किया?

उन्होंने अपना प्रेम इस प्रकार दिखाया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।

यूहन्ना 3:17

क्या परमेश्वर ने अपने पुत्र को जगत पर दण्ड की आज्ञा देने के लिए भेजा था?

नहीं। परमेश्वर ने अपने पुत्र को इसलिए भेजा ताकि जगत उनके पुत्र के द्वारा उद्धार पाए।

यूहन्ना 3:19

मनुष्यों पर दण्ड की आज्ञा क्यों होता है?

मनुष्य दण्ड की आज्ञा के अधीन आते हैं क्योंकि ज्योति जगत में आया है, और मनुष्यों ने अंधकार को ज्योति से अधिक प्रिय जाना क्योंकि उनके काम बुरे थे।

यूहन्ना 3:20

जो कोई बुराई करता है, वह ज्योति के निकट क्यों नहीं आते हैं?

जो कोई बुराई करता है, वह ज्योति से बैर रखता है और ज्योति के निकट नहीं आना चाहते, क्योंकि वे नहीं चाहते कि उनके कामों पर दोष लगाया जाए।

यूहन्ना 3:21

जो सच्चाई पर चलता है, वह ज्योति के निकट क्यों आते हैं?

जो सच्चाई पर चलता है, वह ज्योति के निकट आता है, ताकि उसके काम प्रगट हों कि वह परमेश्वर की ओर से किए गए हैं।

यूहन्ना 3:30

यूहन्ना ने क्या कहा कि यूहन्ना की सेवकाई की तुलना में यीशु की सेवकाई का क्या होगा?

यूहन्ना ने कहा, "अवश्य है कि वह बढ़े और मैं घटूँ।"

यूहन्ना 3:33

जिसने स्वर्ग से आए व्यक्ति की गवाही ग्रहण कर ली, उन्होंने किस बात पर छाप दे दी?

उन्होंने इस बात पर छाप दे दी कि परमेश्वर सच्चा है।

यूहन्ना 3:35

पिता ने पुत्र के हाथ में क्या दी है?

उन्होंने सब वस्तुएँ पुत्र के हाथों में दे दी हैं।

यूहन्ना 3:36

जो पुत्र में विश्वास करते हैं उनके पास क्या होता है?

उनके पास अनन्त जीवन है।

यूहन्ना 3:36 (#2)

जो पुत्र की नहीं मानते, उनके साथ क्या होता है?

वह जीवन को नहीं देखेंगे, परन्तु परमेश्वर का क्रोध उस पर रहता है।

यूहन्ना 4:1–3

यीशु यहूदिया छोड़कर गलील कब गए?

जब यीशु को पता चला कि फरीसियों ने सुना है कि वे यूहन्ना से अधिक चेले बना रहे हैं और बपतिस्मा दे रहे हैं, तो वे यहूदिया छोड़कर गलील के लिए रवाना हुए।

यूहन्ना 4:5

यीशु गलील के मार्ग में कहाँ आए?

वह सूखार नामक सामरिया के एक नगर में आए।

यूहन्ना 4:7

जब यीशु वहाँ थे, तो याकूब के कुएँ पर कौन आई?

वहाँ एक सामरी स्त्री जल भरने को आई।

यूहन्ना 4:7 (#2)

यीशु ने सबसे पहले सामरी स्त्री से क्या कहा था?

यीशु ने उससे कहा, "मुझे पानी पिला।"

यूहन्ना 4:8

यीशु के चेले कहाँ थे?

वे नगर में भोजन मोल लेने को गए थे।

यूहन्ना 4:9

सामरी स्त्री को यह जानकर आश्चर्य क्यों हुआ जब यीशु उससे बात किए?

वह आश्चर्यचकित थीं क्योंकि यहूदी सामरियों के साथ किसी प्रकार का व्यवहार नहीं रखते थे।

यूहन्ना 4:10

बातचीत को परमेश्वर की बातों की ओर मोड़ने के लिए यीशु ने क्या कहा?

यीशु उसे बताते हैं कि यदि वह परमेश्वर के वरदान और उससे बात करने वाले व्यक्ति को जानती होती, तो वह उनसे माँगती, और वे उसे जीवन का जल देते।

यूहन्ना 4:11

वह स्त्री क्या बयान करती है जिससे पता चलता है कि वह यीशु की टिप्पणियों के आत्मिक प्रकृति को नहीं समझती??

स्त्री ने उत्तर दिया, "हे स्वामी, तेरे पास जल भरने को तो कुछ है भी नहीं, और कुआँ गहरा है; तो फिर वह जीवन का जल तेरे पास कहाँ से आया?"

यूहन्ना 4:14–15

यीशु उस स्त्री को उस जल के विषय में क्या बताते हैं जो वह देंगे?

यीशु उस स्त्री से कहते हैं कि जो लोग उस जल को पीते हैं जो वह देते हैं, वह फिर अनन्तकाल तक प्यासा न होगा, और वह उसमें एक सोता बन जाएगा, जो अनन्त जीवन के लिये उमड़ता रहेगा।

यूहन्ना 4:15

अब वह स्त्री यीशु द्वारा दिया गया जल क्यों चाहती है?

वह जल चाहती हैं ताकि उन्हें प्यास न लगे और उन्हें कुएँ पर जल भरने के लिए इतनी दूर न आना पड़े।

यूहन्ना 4:16

फिर यीशु बातचीत का विषय बदल देते हैं। वह स्त्री से क्या कहते हैं?

यीशु उनसे कहते हैं, "जा, अपने पति को यहाँ बुला ला।"

यूहन्ना 4:17

जब यीशु उनसे कहते हैं कि वे अपने पति को बुलाएं, तो वह स्त्री कैसे जवाब देती है?

वह स्त्री यीशु से कहती हैं कि मैं बिना पति की हूँ।

यूहन्ना 4:18

यीशु उस स्त्री के बारे में क्या कहते हैं जो वह स्वाभाविक तरीकों से नहीं जान सकते थे?

यीशु उसे बताते हैं कि वह पाँच पति कर चुकी है, और जिसके पास वह अब है वो भी उसका पति नहीं।

यूहन्ना 4:20

वह स्त्री यीशु के सामने भजन के विषय में कौन सा विवाद प्रस्तुत करती हैं?

उन्होंने इस बात पर विवाद खड़ा कर दिया कि भजन करने का उचित स्थान कौन सा है।

यूहन्ना 4:23–24

यीशु उस स्त्री को किस प्रकार के आराधकों के बारे में बताते हैं जिन्हें पिता ढूँढ़ते हैं?

यीशु उन्हें बताते हैं कि परमेश्वर आत्मा हैं, और सच्चे भक्त को परमेश्वर की आराधना आत्मा और सच्चाई में करनी चाहिए।

यूहन्ना 4:25–26

यीशु ने उस स्त्री से क्या कहा जब उसने यीशु से कहा कि मसीह जो ख्रिस्त कहलाता है, आनेवाला है, वह उन्हें सब बातें बता देगा?

यीशु ने उससे कहा, “मैं जो तुझ से बोल रहा हूँ, वही हूँ।”

यूहन्ना 4:28–29

यीशु से बातचीत के बाद उस स्त्री ने क्या किया?

वह स्त्री अपना घड़ा छोड़कर नगर में चली गई, और लोगों से कहने लगी, "आओ, एक मनुष्य को देखो, जिसने सब कुछ जो मैंने किया मुझे बता दिया। कहीं यही तो मसीह नहीं है?"

यूहन्ना 4:30

स्त्री का विवरण सुनने के बाद नगर के लोगों ने क्या किया?

वे नगर से निकलकर यीशु के पास आने लगे।

यूहन्ना 4:34

यीशु ने अपने भोजन के बारे में क्या कहा?

यीशु ने कहा कि मेरा भोजन यह है, कि अपने भेजनेवाले की इच्छा के अनुसार चलूँ और उसका काम पूरा करूँ।

यूहन्ना 4:36

कटाई का क्या लाभ है?

काटनेवाला मजदूरी प्राप्त करता है और अनन्त जीवन के लिए फल बटोरता है, ताकि बोनेवाला और काटनेवाला दोनों मिलकर आनन्द करें।

यूहन्ना 4:39

उस नगर के बहुत से सामरियों ने यीशु पर विश्वास क्यों किया?

बहुत से सामरियों ने उस स्त्री के कहने से यीशु पर विश्वास किया।

यूहन्ना 4:42

उनमें बहुत से सामरियों का यीशु के बारे में क्या विश्वास था?

उन्होंने कहा कि हमने आप ही सुन लिया, और जानते हैं कि यही सचमुच में जगत का उद्धारकर्ता है।

यूहन्ना 4:45

जब यीशु गलील में आए, तो गलीली आनन्द के साथ उससे क्यूँ मिले?

गलीली आनन्द के साथ उससे मिले क्योंकि जितने काम उसने यरूशलेम में पर्व के समय किए थे, उन्होंने उन सब को देखा था।

यूहन्ना 4:46–47

जब यीशु यहूदिया से गलील लौटे, तो उनके पास कौन आया, और वह क्या चाहता था?

राजा का एक कर्मचारी, जिसका पुत्र बीमार था, यीशु के पास आया और उनसे विनती की कि वे उसके पास चलकर उसके पुत्र को चंगा करें।

यूहन्ना 4:48

यीशु ने राजा के कर्मचारी से चिन्ह और अद्‌भुत काम के विषय में क्या कहा?

यीशु ने उससे कहा कि जब तक लोग चिन्ह और अद्‌भुत काम न देखोगे तब तक कदापि विश्वास न करोगे।

यूहन्ना 4:50

जब यीशु उसके साथ नहीं गए और उससे कहा, "जा, तेरा पुत्र जीवित है" तो राज-कर्मचारी ने क्या किया?

उस मनुष्य ने यीशु की कही हुई बात पर विश्वास किया और चला गया।

यूहन्ना 4:53

जब बीमार पुत्र के पिता को बताया गया कि उसका पुत्र जीवित है और ज्वर पिछले दिन सातवें घण्टे में उतर गया था, उसी समय जब यीशु ने उससे कहा था, "तेरा पुत्र जीवित है" तो क्या परिणाम हुआ?

परिणामस्वरूप राज-कर्मचारी और उसके सारे घराने ने विश्वास किया।

यूहन्ना 5:2

यरूशलेम में भेड़-फाटक के पास उस कुण्ड का क्या नाम था जिसमें पाँच ओसारे थे?

वह कुण्ड बैतहसदा कहलाता था।

यूहन्ना 5:3–4

बैतहसदा में कौन थे?

बैतहसदा के ओसारों में बहुत से बीमार, अंधे, लँगड़े और सूखे अंगवाले पड़े रहते थे।

यूहन्ना 5:5–6

बैतहसदा में, यीशु ने किससे पूछा, "क्या तू चंगा होना चाहता है?"

यीशु ने एक ऐसे मनुष्य से पूछा जो अड़तीस वर्ष से बीमार था और लम्बे समय से वहाँ पड़ा था।

यूहन्ना 5:7

यीशु के इस प्रश्न, "क्या तू चंगा होना चाहता है?" पर बीमार मनुष्य की क्या प्रतिक्रिया थी?

बीमार मनुष्य ने उत्तर दिया, "हे स्वामी, मेरे पास कोई मनुष्य नहीं, कि जब पानी हिलाया जाए, तो मुझे कुण्ड में उतारे; परन्तु मेरे पहुँचते-पहुँचते दूसरा मुझसे पहले उतर जाता है।"

यूहन्ना 5:8–9

जब यीशु ने बीमार मनुष्य से कहा, "उठ, अपनी खाट उठा और चल फिर," तब क्या हुआ?

वह मनुष्य तुरन्त चंगा हो गया, और अपनी खाट उठाकर चलने फिरने लगा।

यूहन्ना 5:10

यहूदी को यह देखकर क्यों परेशानी हुई कि बीमार आदमी अपनी खाट (चटाई) के साथ चल रहा है?

यह उन्हें परेशान कर गया क्योंकि वह सब्त का दिन था, और उन्होंने कहा कि उस मनुष्य को सब्त के दिन अपनी खाट उठानी उचित नहीं था।

यूहन्ना 5:14

यीशु ने उस बीमार मनुष्य से क्या कहा जिसे उन्होंने ठीक किया था, जब यीशु ने उसे मन्दिर में मिला?

यीशु ने उससे कहा, "देख, तू तो चंगा हो गया है; फिर से पाप मत करना, ऐसा न हो कि इससे कोई भारी विपत्ति तुझ पर आ पड़े।"

यूहन्ना 5:15

यीशु द्वारा पाप करना बंद करने के आदेश के बाद चंगे हुए मनुष्य ने क्या किया?

उस मनुष्य ने जाकर यहूदियों से कह दिया कि यह यीशु ही थे जिन्होंने उसे चंगा किया था।

यूहन्ना 5:17

यीशु ने उन यहूदियों को क्या जवाब दिया जिन्होंने उसे सताया था क्योंकि वह सब्त के दिन यह काम (चंगा करने का काम) कर रहे थे?

यीशु ने उनसे कहा, "मेरा पिता परमेश्वर अब तक काम करता है, और मैं भी काम करता हूँ।"

यूहन्ना 5:18

यीशु के यहूदियों से किए गए बयान ने उन्हें यीशु को मार डालने का प्रयत्न करने की इच्छा क्यों उत्पन्न की?

यह इसलिए हुआ क्योंकि यीशु ने न केवल सब्त का उल्लंघन किया (उनके विचार में),परन्तु परमेश्वर को अपना पिता कहकर, अपने आपको परमेश्वर के तुल्य ठहराता था।

यूहन्ना 5:19

यीशु ने क्या किया?

उन्होंने वही किया जो उन्होंने पिता को करते हुए देखा।

यूहन्ना 5:20

पिता ऐसा क्या करेंगे कि यहूदी अगुवे अचम्भित हो जायेंगे?

पिता अपने पुत्र को इनसे भी बड़े काम दिखाएंगे ताकि यहूदी अगुवे अचम्भित हो जायेंगे।

यूहन्ना 5:22–23

पिता ने न्याय करने का सब काम पुत्र को क्यों सौंपा?

पिता ने न्याय करने का सब काम पुत्र को सौंपा ताकि सब लोग पुत्र का आदर करें जैसे वे पिता का आदर करते हैं।

यूहन्ना 5:23

यदि आप पुत्र का आदर नहीं करते तो क्या होता है?

यदि आप पुत्र का आदर नहीं करते हैं, तो आप उस पिता का भी आदर नहीं करते हैं जिन्होंने उसे भेजा है।

यूहन्ना 5:24

यदि आप यीशु के वचनों पर विश्वास करते हैं और उस पिता पर विश्वास करते हैं जिन्होंने उसे भेजा है, तो क्या होता है?

यदि ऐसा है, तो आपके पास अनन्त जीवन है और आप पर दण्ड की आज्ञा नहीं होती, बल्कि आप मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुके हैं।

यूहन्ना 5:26

पिता ने पुत्र को जीवन के विषय में क्या दिया है?

पिता ने पुत्र को अपने आप में जीवन रखने का अधिकार दिया है।

यूहन्ना 5:28–29

जब जितने कब्रों में हैं, पिता का शब्द सुनेंगे, तब क्या होगा?

उसका शब्द सुनकर निकलेंगे। जिन्होंने भलाई की है, वे जीवन के पुनरुत्थान के लिये जी उठेंगे और जिन्होंने बुराई की है, वे दण्ड के पुनरुत्थान के लिये जी उठेंगे।

यूहन्ना 5:30

यीशु का न्याय सच्चा क्यों है?

उनका न्याय सच्चा है क्योंकि वे अपनी इच्छा नहीं, परन्तु अपने भेजनेवाले पिता की इच्छा का अनुसरण कर रहे हैं।

यूहन्ना 5:36

यीशु के पास यूहन्ना की गवाही से भी बड़ी गवाही कौन सी थी जो यह प्रमाणित कर सके कि उन्हें पिता द्वारा भेजा गया था?

वे काम जो यीशु ने किए, वे इस बात की गवाही देते हैं कि उन्हें पिता ने भेजा था।

यूहन्ना 5:37

किसने कभी पिता का शब्द नहीं सुना और न ही उसका रूप देखा?

यहूदी नेताओं ने कभी भी न तो उनकी शब्द सुना और न ही उनका रूप देखा था।

यूहन्ना 5:39

यहूदी नेताओं ने पवित्रशास्त्र की खोज क्यों की?

उन्होंने उनकी खोज की क्योंकि वे समझते थे कि उसमें अनन्त जीवन उन्हे मिलता है।

यूहन्ना 5:39 (#2)

पवित्रशास्त्र किसके विषय में गवाही देता है?

पवित्रशास्त्र यीशु के विषय में गवाही देता है।

यूहन्ना 5:44

यहूदी अगुवे किससे आदर नहीं चाहते थे?

वे एकमात्र परमेश्वर की ओर से मिलने वाली आदर नहीं चाहते थे।

यूहन्ना 5:45

यहूदी अगुवों पर पिता के सामने दोष लगाने वाले कौन थे?

मूसा पिता के सामने यहूदी अगुवों पर दोष लगानेवाला था।

यूहन्ना 5:46–47

यीशु ने यहूदी अगुवों से क्या कहा कि यदि वे मूसा पर विश्वास करें तो उन्हें क्या करना होगा?

वह कहते हैं कि यदि यहूदी अगुवों मूसा पर विश्वास करते तो वे यीशु पर भी विश्वास करते, क्योंकि मूसा ने यीशु के विषय में लिखा था।

यूहन्ना 6:1

गलील की झील का एक और नाम क्या था?

गलील की झील तिबिरियास झील के नाम से भी जाना जाता था।

यूहन्ना 6:2

यीशु के पीछे एक बड़ी भीड़ क्यों चल रही थी?

वे उनके पीछे हो ली क्योंकि वे उन आश्चर्यकर्म को देख रहे थे जो यीशु बीमारों पर दिखाते थे।

यूहन्ना 6:4–5

यीशु ने अपने शिष्यों के साथ पहाड़ पर बैठने के बाद आँखें उठाकर क्या देखा?

उन्होंने एक बड़ी भीड़ को अपने पास आते देखा।

यूहन्ना 6:5–6

यीशु ने फिलिप्पुस से क्यों पूछा, "हम इनके भोजन के लिये कहाँ से रोटी मोल लाएँ?"

यीशु ने यह बात फिलिप्पुस को परखने के लिए कही।

यूहन्ना 6:7

फिलिप्पुस ने यीशु के प्रश्न, "हम इनके भोजन के लिये कहाँ से रोटी मोल लाएँ?" के लिए क्या उत्तर दिया?

फिलिप्पुस ने कहा, "दो सौ दीनार की रोटी भी उनके लिये पूरी न होंगी कि उनमें से हर एक को थोड़ी-थोड़ी मिल जाए।"

यूहन्ना 6:8–9

अन्द्रियास ने यीशु के प्रश्न "हम इनके भोजन के लिये कहाँ से रोटी मोल लाएँ?" पर क्या प्रतिक्रिया दी?

अन्द्रियास ने कहा, "यहाँ एक लड़का है, जिसके पास जौ की पाँच रोटी और दो मछलियाँ हैं, परन्तु इतने लोगों के लिये वे क्या हैं।"

यूहन्ना 6:10

उस जगह पर लगभग कितने लोग थे?

वहाँ लगभग पाँच हजार पुरुष थे।

यूहन्ना 6:11

यीशु ने रोटियों और मछलियों के साथ क्या किया?

यीशु ने रोटियों को लिया और धन्यवाद देने के बाद, उन्होंने वहाँ बैठनेवालों को बाँट दीं। उन्होंने मछलियों को भी उसी प्रकार बाँट दिया।

यूहन्ना 6:11 (#2)

लोगों को कितना भोजन प्राप्त हुआ?

उन्हें जितनी वे चाहते थे, उतना बाँट दिया गया।

यूहन्ना 6:13

भोजन के बाद कितनी रोटियाँ बच रहे थे?

चेलों ने पाँच रोटियों के टुकड़े के बारह टोकरियाँ भरीं—वे टुकड़े जो खानेवालों से बच रहे थे।

यूहन्ना 6:14–15

यीशु फिर से अकेले पहाड़ पर क्यों चले गए?

यीशु फिर से अकेले पहाड़ पर इसलिए चले गए क्योंकि उन्होंने यह जानकर कि लोग, उनके द्वारा दिखाए गए आश्चर्यकर्म (5,000 को भोजन खिलाना) देखने के बाद, उन्हें राजा बनाने के लिये आकर पकड़ना चाहते हैं।

यूहन्ना 6:18

जब चेले नाव में बैठकर कफरनहूम के लिए प्रस्थान कर रहे थे, तब मौसम में क्या परिवर्तन हुआ?

एक आँधी चलने लगी और झील में लहरें उठने लगीं।

यूहन्ना 6:19

चेलों को भय क्यों होने लगा?

वे डर गए क्योंकि उन्होंने यीशु को झील पर चलते हुए और नाव के निकट आते देखा।

यूहन्ना 6:20

यीशु ने चेलों से क्या कहा जिससे वे उन्हें नाव में लेने के लिए तैयार हो गए?

यीशु ने उनसे कहा, "मैं हूँ; डरो मत।"

यूहन्ना 6:26

यीशु ने क्या कहा कि भीड़ उन्हें क्यों ढूँढ़ रही थी?

यीशु ने कहा कि वे उन्हें इसलिए नहीं ढूँढ़ रहे थे क्योंकि उन्होंने अचम्भित काम देखे थे, बल्कि इसलिए क्योंकि वे रोटियाँ खाकर और तृप्त हो गए थे।

यूहन्ना 6:27

यीशु ने भीड़ को क्या बताया कि उन्हें किसके लिए परिश्रम करना चाहिए और किसके लिए नहीं?

यीशु ने उन्हें बताया कि नाशवान भोजन के लिए परिश्रम न करें, बल्कि उस भोजन के लिए परिश्रम करें जो अनन्त जीवन तक ठहरता है।

यूहन्ना 6:29

यीशु ने भीड़ के लिए परमेश्वर के कार्य को कैसे परिभाषित किया?

यीशु ने भीड़ से कहा, "परमेश्वर का कार्य यह है, कि तुम उस पर, जिसे उसने भेजा है, विश्वास करो।"

यूहन्ना 6:35

यीशु ने जीवन की रोटी क्या बताई?

यीशु कहते हैं कि वे जीवन की रोटी हैं।

यूहन्ना 6:37

यीशु के पास कौन आएंगे?

जिन्हें भी पिता यीशु को देते हैं, वे उनके पास आएंगे।

यूहन्ना 6:39–40

यीशु को भेजने वाले पिता की इच्छा क्या है?

पिता की यह इच्छा है कि यीशु उन सभी को न खोएं जिन्हें पिता ने उन्हें दिया है, और जो कोई भी पुत्र को देखता है और उन पर विश्वास करता है, उसे अनन्त जीवन प्राप्त हो; और यीशु उन्हें अन्तिम दिन फिर जिला उठाएंगे।

यूहन्ना 6:44

कोई व्यक्ति यीशु के पास कैसे आ सकता है?

कोई भी व्यक्ति यीशु के पास तभी आ सकता है जब उनके पिता उसे खींचते हैं।

यूहन्ना 6:46

किसने पिता को देखा है?

केवल वही जो परमेश्वर की ओर से है, उन्होंने पिता को देखा है।

यूहन्ना 6:51

वह रोटी क्या है जो यीशु जगत के जीवन के लिए देंगे?

जो रोटी यीशु जगत के जीवन के लिये देंगे वह उनका अपना माँस है।

यूहन्ना 6:53

अपने भीतर जीवन बनाए रखने के लिए आपको क्या करना चाहिए?

अपने भीतर जीवन बनाए रखने के लिए, आपको मनुष्य के पुत्र का माँस खाना होगा और उनका लहू पीना होगा।

यूहन्ना 6:56

हम यीशु में कैसे स्थिर बने रह सकते हैं और यीशु हमारे भीतर कैसे स्थिर बना रह सकते हैं?

यदि हम उनका माँस खाएं और उनका लहू पिएं, तो हम यीशु में स्थिर बने रहेंगे और वे हम में।

यूहन्ना 6:57

यीशु क्यों जीवित हैं?

यीशु पिता के कारण जीवित हैं।

यूहन्ना 6:60

जब यीशु ने अपने माँस खाने और लहू पीने की शिक्षा दी, तो उसके चेलों में से बहुतों ने इस पर कैसे प्रतिक्रिया व्यक्त की?

जब चेलों ने इस शिक्षा को सुना, तो उनमें से बहुतों ने यह सुनकर कहा, "यह तो कठोर शिक्षा है; इसे कौन मान सकता है?"

यूहन्ना 6:64

यीशु पहले ही से लोगों के विषय में क्या जानते थे?

यीशु को पहले ही से पता था कि कौन विश्वास नहीं करेंगे और कौन उन्हें पकड़वाएंगे।

यूहन्ना 6:67–68

जब यीशु ने बारहों से कहा, "क्या तुम भी चले जाना चाहते हो?", तब किसने उत्तर दिया और उन्होंने क्या कहा?

शमौन पतरस ने उत्तर दिया और कहा, “हे प्रभु, हम किसके पास जाएँ? अनन्त जीवन की बातें तो तेरे ही पास हैं। और हमने विश्वास किया, और जान गए हैं, कि परमेश्वर का पवित्र जन तू ही है।”

यूहन्ना 6:70–71

यीशु का क्या अर्थ था जब उन्होंने कहा कि बारह में से एक व्यक्ति शैतान है?

यीशु ने यहूदा के बारे में बात की, जो शमौन इस्करियोती का पुत्र था, क्योंकि वही उन बारहों में से था, जो यीशु को पकड़वाने को था।

यूहन्ना 7:1

यीशु यहूदिया में क्यों नहीं फिरना चाहते थे?

वहाँ जाने के लिए वह तैयार नहीं थे, क्योंकि यहूदी उन्हें मार डालने का यत्न कर रहे थे।

यूहन्ना 7:3–4

यीशु के भाइयों ने उन्हें यहूदिया में झोपड़ियों का पर्व में जाने के लिए क्यों प्रेरित किया?

उन्होंने उसे जाने के लिए प्रेरित किया ताकि यीशु के चेले उन काम को देख सकें जो वह कर रहे थे और यह काम जगत पर प्रगट हो।

यूहन्ना 7:6

यीशु ने पर्व में न जाने का क्या कारण बताया?

यीशु ने अपने भाइयों से कहा कि उनका समय अभी नहीं आया है, और उनका समय अभी पूरा नहीं हुआ है।

यूहन्ना 7:7

जगत यीशु से बैर क्यों करता है?

यीशु ने कहा कि जगत उनसे बैर करता है क्योंकि वे जगत के विरोध में यह गवाही देते हैं कि उसके काम बुरे हैं।

यूहन्ना 7:10

यीशु पर्व में कब और कैसे गए?

यीशु अपने भाइयों के पर्व में चले जाने के बाद आप ही पर्व में गए, लेकिन वह प्रगट रूप से नहीं बल्कि गुप्त रूप से गए।

यूहन्ना 7:12

भीड़ में लोगों ने यीशु के विषय में क्या कहा?

कुछ ने कहा, “वह भला मनुष्य है।” दूसरों ने कहा, “नहीं, वह लोगों को भरमाता है।”

यूहन्ना 7:13

यीशु के बारे में किसी ने खुलकर बात क्यों नहीं की?

यह यहूदियों के भय के मारे था कि किसी ने यीशु के विषय में खुलकर नहीं बोलता था।

यूहन्ना 7:14

यीशु कब मन्दिर में गए और उपदेश करना शुरू किया?

जब पर्व के आधे दिन बीत गए, यीशु मन्दिर में जाकर उपदेश करना शुरू किया।

यूहन्ना 7:17

यीशु ने कैसे कहा कि कोई यह जान सकता है कि उनका उपदेश परमेश्वर की ओर से है या यीशु अपनी ओर से कह रहे हैं?

यीशु ने कहा कि यदि कोई उस व्यक्ति की इच्छा पर चलना चाहे जिन्होंने यीशु को भेजा है, तो वह इस उपदेश के विषय में जान जाएगा कि यह परमेश्वर से आई है या नहीं।

यूहन्ना 7:18

यीशु ने उस व्यक्ति के बारे में क्या कहा जो उसे भेजनेवाले की बड़ाई चाहता है?

यीशु ने कहा कि वह व्यक्ति सच्चा है, और उसमें कोई अधर्म नहीं है।

यूहन्ना 7:19

यीशु के अनुसार, व्यवस्था पर कौन चलता है?

यीशु ने कहा कि तुम में से कोई व्यवस्था पर नहीं चलता।

यूहन्ना 7:23

सब्त के दिन चंगा करने के लिए यीशु का तर्क क्या है?

यीशु का तर्क था: जब सब्त के दिन मनुष्य का खतना किया जाता है ताकि मूसा की व्यवस्था की आज्ञा टल न जाए, तो तुम मुझ पर क्यों इसलिए क्रोध करते हो, कि मैंने सब्त के दिन एक मनुष्य को पूरी रीति से चंगा किया।

यूहन्ना 7:24

यीशु ने लोगों से न्याय करने के विषय क्या कहा?

यीशु ने उन्हें बताया कि वे मुँह देखकर न्याय न करें, बल्कि ठीक-ठीक (धार्मिकता के अनुसार) न्याय करें।

यूहन्ना 7:27

लोगों ने यीशु को मसीह न मानने के लिए कौन सा तर्क दिया था?

लोगों ने कहा कि वे जानते थे कि यीशु कहाँ से आए हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि जब मसीह आएंगे, तब कोई नहीं जान पाएगा कि वे कहाँ से आएंगे।

यूहन्ना 7:32

यीशु को पकड़ने के लिए सिपाही किसने भेजा?

प्रधान याजकों और फरीसियों ने सिपाही यीशु को पकड़ने के लिए भेजा।

यूहन्ना 7:35-36

क्या यहूदी समझ गए थे कि यीशु का क्या अर्थ था जब उन्होंने कहा, "मैं थोड़ी देर तक और तुम्हारे साथ हूँ; तब अपने भेजनेवाले के पास चला जाऊँगा।तुम मुझे ढूँढ़ोगे, परन्तु नहीं पाओगे; और जहाँ मैं हूँ, वहाँ तुम नहीं आ सकते।"

उनकी आपस में बातचीत से यह संकेत मिला कि वे यीशु के वचनों को नहीं समझ सके।

यूहन्ना 7:37-39

यीशु किसकी ओर संकेत कर रहे थे जब उन्होंने कहा,"यदि कोई प्यासा हो तो मेरे पास आए और पीए। जो मुझ पर विश्वास करेगा, जैसा पवित्रशास्त्र में आया है, 'उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियाँ बह निकलेंगी।'"?

यीशु ने यह वचन उस आत्मा के विषय में कहा, जिसे वे लोग पाएंगे जो उन पर विश्वास करते हैं।

यूहन्ना 7:45-46

सिपाही ने प्रधान याजकों और फरीसियों को क्या उत्तर दिया जिन्होंने उनसे कहा, "तुम उसे (यीशु को) क्यों नहीं लाए?"

सिपाहियों ने उत्तर दिया, "किसी मनुष्य ने कभी ऐसी बातें न की।"

यूहन्ना 7:50-51

जब फरीसियों ने यीशु को पकड़ने के लिए भेजे गए सिपाहियों से पूछा, "क्या तुम भी भरमाए गए हो? क्या शासकों या फरीसियों में से किसी ने भी उस पर विश्वास किया है? तब नीकुदेमुस ने फरीसियों को कैसे उत्तर दिया?

नीकुदेमुस ने फरीसियों से कहा, "क्या हमारी व्यवस्था किसी व्यक्ति को जब तक पहले उसकी सुनकर जान न ले कि वह क्या करता है; दोषी ठहराती है?"

यूहन्ना 8:2–3

जब यीशु मन्दिर में लोगों को उपदेश दे रहे थे, तब शास्त्रियों और फरीसियों ने क्या किया?

वे एक स्त्री को लाए जो व्यभिचार में पकड़ी गई थी और उसे उनके बीच खड़ा करके यीशु से पूछा कि उनके बारे में यीशु का क्या कहना है (उनका न्याय करने के लिए)।

यूहन्ना 8:4–6

शास्त्रियों और फरीसियों ने इस स्त्री को यीशु के पास वास्तव में क्यों लाया?

वे वास्तव में इस स्त्री को यीशु को परखने के लिये उनके पास लाए ताकि उस पर दोष लगाने के लिये कोई बात पाएँ।

यूहन्ना 8:7

जब शास्त्रियों और फरीसियों ने यीशु से व्यभिचार में पकड़ी गई स्त्री के बारे में बार-बार पूछा, तो यीशु ने उनसे क्या कहा?

यीशु ने उनसे कहा, "तुम में जो निष्पाप हो, वही पहले उसको पत्थर मारे।"

यूहन्ना 8:9

जब यीशु ने उनसे पूछा कि उस स्त्री पर पत्थर फेंकने वाला पहला व्यक्ति कौन होना चाहिए, तो लोगों ने क्या किया?

यीशु के बोलने के बाद, वे बड़ों से लेकर छोटों तक एक-एक करके निकल गए।

यूहन्ना 8:11

यीशु ने उस स्त्री (जो व्यभिचार में पकड़ी गई थीं) से क्या करने के लिए कहा?

यीशु ने उससे कहा कि वह अपने मार्ग पर जाए और आगे से कोई पाप न करे।

यूहन्ना 8:13

यीशु के यह कहने के बाद कि, "जगत की ज्योति मैं हूँ; जो मेरे पीछे हो लेगा, वह अंधकार में न चलेगा, परन्तु जीवन की ज्योति पाएगा,", फरीसियों की क्या शिकायत थी?

फरीसियों ने शिकायत की कि यीशु अपने बारे में गवाही दे रहे थे और उनकी गवाही ठीक नहीं थी।

यूहन्ना 8:17–18

यीशु ने अपनी गवाही को सच साबित करने के लिए क्या किया?

यीशु ने कहा कि उनकी व्यवस्था में लिखा है कि दो जनों की गवाही मिलकर ठीक होती है। फिर उन्होंने कहा कि वे और पिता, जिन्होंने उन्हें भेजा है, दोनों यीशु के बारे में गवाही देते हैं।

यूहन्ना 8:23–24

यीशु ने फरीसियों के बारे में यह कथन किस आधार पर दिया कि वे अपने पापों में मर जाएंगे?

यीशु ने उस कथन को उनके ज्ञान पर आधारित किया, कि वे नीचे से थे, और वह ऊपर से थे। फरीसी इस संसार के थे और वह इस संसार के नहीं थे।

यूहन्ना 8:24

फरीसी अपने पापों में मरने से कैसे बच सकते थे?

यीशु ने कहा कि वे अपने पापों में मर जाएंगे जब तक कि वे विश्वास नहीं करते कि "मैं वही हूँ।"

यूहन्ना 8:26–27

यीशु ने जगत से क्या कहा?

यीशु ने संसार से वे बातें कहीं जो उन्होंने पिता से सुनी थीं।

यूहन्ना 8:29

जिस पिता ने यीशु को भेजा, वह उनके साथ क्यों रहे और उन्हें अकेला क्यों नहीं छोड़ा?

पिता यीशु के साथ थे और उन्हें कभी अकेला नहीं छोड़ा क्योंकि यीशु हमेशा वे काम करते थे जो पिता को प्रसन्न होता है।

यूहन्ना 8:31

यीशु ने कैसे कहा कि जो यहूदी उस पर विश्वास करते थे वे जान सकते थे कि वे सचमुच उसके चेले हैं?

वे यह जान सकते थे कि वे सचमुच में यीशु के चेले हैं यदि वे उनके वचन में बने रहते।

यूहन्ना 8:33

यीशु पर विश्वास करने वाले यहूदियों ने क्या सोचा होगा कि यीशु क्या कह रहे थे जब उन्होंने कहा, "... और सत्य को जानोगे, और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा।?

उन यहूदियों ने सोचा कि यीशु मनुष्यों के दासत्व या दासता की बात कर रहे थे।

यूहन्ना 8:34

जब यीशु ने कहा, "और सत्य को जानोगे, और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा।" तो वह किसकी ओर संकेत कर रहे थे?

यीशु पाप के दासत्व से स्वतंत्र होने की बात कर रहे थे।

यूहन्ना 8:37

यीशु के अनुसार, यहूदियों ने यीशु को मार डालना क्यों चाहते थे?

उन्होंने यीशु को मार डालना इसलिए चाहते थे क्योंकि उनके वचनों का उनके हृदय में जगह नहीं था।

यूहन्ना 8:39–40

यीशु ने क्यों कहा कि ये यहूदी अब्राहम के सन्तान नहीं थे?

यीशु ने कहा कि वे अब्राहम के सन्तान नहीं थे क्योंकि उन्होंने अब्राहम के समान काम नहीं किए। इसके विपरीत, वे यीशु को मार डालना चाह रहे थे।

यूहन्ना 8:42

जब ये यहूदी कहते हैं कि उनका एक पिता, परमेश्वर हैं, तो यीशु उन्हें कैसे खंडित करते हैं?

यीशु ने उनसे कहा, "यदि परमेश्वर तुम्हारा पिता होता, तो तुम मुझसे प्रेम रखते; क्योंकि मैं परमेश्वर में से निकलकर आया हूँ; मैं आप से नहीं आया, परन्तु उसी ने मुझे भेजा।"

यूहन्ना 8:44

यीशु ने इन यहूदियों का पिता किसे कहा?

यीशु कहते हैं कि उनके पिता शैतान हैं।

यूहन्ना 8:44 (#2)

यीशु ने शैतान के विषय में क्या कहा?

यीशु ने कहा कि शैतान आरम्भ से ही एक हत्यारा था और वह सत्य में स्थिर नहीं रहता, क्योंकि उसमें कोई सत्य नहीं है। जब शैतान झूठ बोलता है, तो वह अपनी ही स्वभाव से बोलता है क्योंकि वह एक झूठा है और झूठ का पिता है।

यूहन्ना 8:47

कौन परमेश्वर की बातें सुनता है?

जो परमेश्वर से होता है, वह परमेश्वर की बातें सुनता है।

यूहन्ना 8:51

यीशु के अनुसार यदि कोई यीशु के वचन पर चलेगा तो क्या होगा?

यदि कोई यीशु के वचन पर चलेगा, तो वह अनन्तकाल तक मृत्यु को न देखेगा।

यूहन्ना 8:52

यहूदीयों ने क्यों कहा कि यीशु में दुष्टात्मा है?

उन्होंने यह इसलिए कहा क्योंकि यीशु ने कहा, "मैं तुम से सच-सच कहता हूँ, कि यदि कोई व्यक्ति मेरे वचन पर चलेगा, तो वह अनन्तकाल तक मृत्यु का स्वाद न चखेगा।"

यूहन्ना 8:52–53

यहूदियों को यीशु का यह कथन अजीब क्यों लगा कि वे कभी का स्वाद न चाखेंगे?

उन्होंने ऐसा सोचा क्योंकि वे शरीर की भौतिक मृत्यु के बारे में विचार कर रहे थे। यहाँ तक कि अब्राहम और भविष्यद्वक्ताओं का भी मर गए हैं (उनके भौतिक शरीर का)।

यूहन्ना 8:58

यीशु ने क्या बयान देकर यह बताया कि वह अब्राहम से पहले जीवित थे?

यीशु ने कहा, "मैं तुम से सच-सच कहता हूँ, कि पहले इसके कि अब्राहम उत्पन्न हुआ, मैं हूँ।"

यूहन्ना 9:2

चेलों ने यह धारणा क्यों बनाई कि वह मनुष्य जन्म से अंधा था?

चेले यह मान रहे हैं कि उस मनुष्य के अंधे पैदा होने का कारण यह है कि या तो उस मनुष्य ने या उसके माता-पिता ने पाप किया था।

यूहन्ना 9:3

यीशु ने कहा कि वह पुरुष जन्म से अंधा क्यों था?

यीशु कहते हैं कि वह मनुष्य जन्म से अंधा था ताकि परमेश्वर के काम उसमें प्रगट हों सकें।

यूहन्ना 9:6–7

यीशु ने उस अंधे मनुष्य से क्या कहा और क्या किया?

यीशु ने भूमि पर थूका, कुछ मिट्टी सानी और उस मिट्टी से उस अंधे की आँखों पर लगाया।

यूहन्ना 9:7

जब अंधे मनुष्य ने शीलोह के कुण्ड में जाकर धोया तो क्या हुआ?

वह देखता हुआ लौट आया।

यूहन्ना 9:9

जब इस बात पर विवाद हुआ कि क्या वह जन्म से अंधा व्यक्ति है जो बैठकर भीख माँगता था, तो उस मनुष्य ने क्या गवाही दी?

उस मनुष्य ने गवाही दी कि वे वही अंधे भिखारी थे।

यूहन्ना 9:13

जो लोग पहले अंधे भिखारी के साथ थे, उन्होंने क्या किया?

वे उस मनुष्य को फरीसियों के पास ले गए।

यूहन्ना 9:14

चंगाई कब हुई थी?

अंधे मनुष्य की चंगाई सब्त के दिन हुई।

यूहन्ना 9:15

फरीसियों ने पहले अंधे मनुष्य से क्या पूछा?

उन्होंने उससे पूछा कि उसकी आँखें किस रीति से खुल गई।

यूहन्ना 9:16

फरीसियों के बीच कौन सा मतभेद उत्पन्न हुआ?

कुछ फरीसियों ने कहा कि यीशु परमेश्वर से नहीं थे क्योंकि वह सब्त का दिन नहीं मानते (उन्होंने सब्त के दिन चंगा किया) और कुछ फरीसियों ने कहा कि पापी मनुष्य कैसे ऐसे चिन्ह दिखा सकता है?

यूहन्ना 9:17

जब उनसे पूछा गया तो पहले अंधे मनुष्य ने यीशु के बारे में क्या कहा?

पहले अंधे मनुष्य ने कहा, "यह भविष्यद्वक्ता है।"

यूहन्ना 9:18

यहूदियों ने उस अंधे मनुष्य के माता-पिता को क्यों बुलाया जो देखने लगा था?

वे उस अंधे मनुष्य के माता-पिता को बुलाए क्योंकि वे अब भी विश्वास नहीं कर पा रहे थे कि वही मनुष्य अंधा था।

यूहन्ना 9:20

उस मनुष्य के माता-पिता ने अपने पुत्र के बारे में क्या गवाही प्रस्तुत किया?

उसके माता-पिता ने गवाही दी कि वह मनुष्य वास्तव में उनका पुत्र है और वह अंधा जन्मा था।

यूहन्ना 9:21

उस मनुष्य के माता-पिता ने क्या कहा कि वे नहीं जानते थे?

उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि अब वह कैसे देख सकता है, या किसने उसकी आँखें खोलीं।

यूहन्ना 9:22

उस मनुष्य के माता-पिता ने क्यों कहा, "वह सयाना है; उसी से पूछ लो"?

उन्होंने यह इसलिए कहा क्योंकि वे यहूदियों से डरते थे। यहूदियों ने पहले ही यह निर्णय कर लिया था कि यदि कोई यीशु को मसीह कहे, तो उसे आराधनालय से निकाला जाएगा।

यूहन्ना 9:24

जब फरीसियों ने उस मनुष्य को जो पहले अंधा था दूसरी बार बुलाया तो उन्होंने उससे क्या कहा?

उन्होंने कहा, परमेश्वर की स्तुति कर; हम तो जानते हैं कि वह मनुष्य (यीशु) पापी है।"

यूहन्ना 9:25

जब फरीसियों ने यीशु को पापी कहा, तो उवह मनुष्य जो पहले अंधा था, उसकी प्रतिक्रिया क्या थी?

उन्होंने उत्तर दिया, "मैं नहीं जानता कि वह पापी है या नहीं मैं एक बात जानता हूँ कि मैं अंधा था और अब देखता हूँ।"

यूहन्ना 9:27

वह मनुष्य जो पहले अंधा था उसने फरीसियों से कौन-कौन से प्रश्न पूछे?

वह मनुष्य जो पहले अंधा था उसने उनसे कहा, "अब दूसरी बार क्यों सुनना चाहते हो? क्या तुम भी उसके चेले होना चाहते हो?"

यूहन्ना 9:31

जब फरीसियों ने उस मनुष्य की निंदा की, तो वह मनुष्य जो पहले अंधा था उसने क्या कहा जो सब जानते थे?

वह मनुष्य जो पहले अंधा था उसने कहा कि सभीजानते हैं कि परमेश्वर पापियों की नहीं सुनता।

यूहन्ना 9:34

उस अंधे मनुष्य की प्रतिक्रिया पर फरीसियों ने क्या प्रतिक्रिया दी?

उन्होंने उस मनुष्य को यह कहते हुए फटकारा कि वह पों में जन्मा और फिर भी उन्हें सिखाने का साहस कर रहा था। इसके बाद उन्होंने उस मनुष्य को आराधनालय से बाहर निकाल दिया।

यूहन्ना 9:35

जब यीशु ने सुना कि पूर्व में अंधे मनुष्य को आराधनालय से बाहर निकाल दिया गया है, तो उन्होंने क्या किया?

यीशु उस मनुष्य की खोज में गए और उन्हें पाया।

यूहन्ना 9:35–36

जब यीशु ने उस मनुष्य से क्या कहा जो पहले अंधा था, जब उससे भेंट हुई?

यीशु ने उस व्यक्ति से पूछा कि क्या वह परमेश्वर के पुत्र पर विश्वास करता है, और फिर उन्होंने उस पूर्व में अंधे मनुष्य से कहा कि वही (यीशु) परमेश्वर के पुत्र है।

यूहन्ना 9:38

जब उसे बताया गया कि यीशु मनुष्य का पुत्र हैं, तो पूर्व में अंधे व्यक्ति ने कैसे प्रतिक्रिया दी?

पूर्व में अंधे व्यक्ति ने यीशु से कहा कि वह विश्वास करता है, और उसने यीशु को दण्डवत् किया।

यूहन्ना 9:41

यीशु ने फरीसियों के पापों के विषय में क्या कहा?

यीशु ने उनसे कहा, "यदि तुम अंधे होते तो पापी न ठहरते परन्तु अब कहते हो, कि हम देखते हैं, इसलिए तुम्हारा पाप बना रहता है।

यूहन्ना 10:1

यीशु के अनुसार, चोर और डाकू कौन हैं?

जो व्यक्ति द्वार से भेड़शाला में प्रवेश नहीं करता, परन्तु किसी दूसरी ओर से चढ़ जाता है, वह चोर और डाकू है।

यूहन्ना 10:2

द्वार से भेड़शाला में कौन प्रवेश करता है?

जो द्वार से भेड़शाला में प्रवेश करते हैं, वही वह भेड़ों का चरवाहा है।

यूहन्ना 10:3–4

जब द्वारपाल उन्हें बुलाते हैं तो भेड़ें उसके पीछे-पीछे क्यों हो लेती हैं?

वे द्वारपाल का अनुसरण करते हैं क्योंकि वे उसका शब्द पहचानती हैं।

यूहन्ना 10:5

क्या भेड़ किसी परायों के पीछे जाएँगी?

नहीं। भेड़ किसी परायों के पीछे नहीं जाएँगी।

यूहन्ना 10:7–8

यीशु के आने से पहले कौन-कौन आए थे?

यीशु से पहले जो भी आए, वे चोर और डाकू थे, और भेड़ों ने उनकी बात नहीं सुनी।

यूहन्ना 10:9

यीशु ने कहा कि वे द्वार हैं। जो लोग उस द्वार से प्रवेश करते हैं, उनके साथ क्या होता है?

जो लोग यीशु के द्वार द्वारा भीतर प्रवेश करेंगे, वे उद्धार पाएंगे; वे भीतर बाहर आया-जाया करेंगे और चारा पाएंगे।

यूहन्ना 10:11

अच्छा चरवाहा यीशु अपनी भेड़ों के लिए क्या करते हैं?

अच्छा चरवाहा यीशु अपनी भेड़ों के लिए अपना प्राण देते हैं।

यूहन्ना 10:16

क्या यीशु के पास और भी भेड़ों के झुण्ड है, और यदि हाँ, तो उनके साथ क्या होगा?

यीशु ने कहा कि उनके पास और भी भेड़ें हैं जो इस झुण्ड की नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें उन्हें भी लाना अवश्य है, और वे उनकी शब्द सुनेंगी ताकि एक ही झुण्ड और एक ही चरवाहा हो।

यूहन्ना 10:17

पिता यीशु से प्रेम क्यों रखते हैं?

पिता यीशु से प्रेम इसलिए रखते हैं क्योंकि यीशु अपना प्राण देते हैं ताकि वे इसे फिर से ले सकें।

यूहन्ना 10:18

क्या कोई यीशु का जीवन छीन सकता है?

नहीं। वह इसे आप ही देते हैं।

यूहन्ना 10:18 (#2)

यीशु को अपना प्राण देने और इसे फिर से लेने का अधिकार कहाँ से प्राप्त हुआ?

यीशु ने यह अधिकार अपने पिता से प्राप्त किया था।

यूहन्ना 10:19–21

यीशु के बातों के कारण यहूदियों ने क्या कहा?

उनमें से बहुत सारे कहने लगे, “उसमें दुष्टात्मा है, और वह पागल है; उसकी क्यों सुनते हो?” औरों ने कहा, “ये बातें ऐसे मनुष्य की नहीं जिसमें दुष्टात्मा हो। क्या दुष्टात्मा अंधों की आँखें खोल सकती है?”

यूहन्ना 10:24

यहूदियों ने यीशु से क्या कहा जब उन्होंने उन्हें मन्दिर में सुलैमान के ओसारे में घेर लिया?

उन्होंने कहा, “तू हमारे मन को कब तक दुविधा में रखेगा? यदि तू मसीह है, तो हम से साफ कह दे।”

यूहन्ना 10:25-26

यीशु ने यहूदियों को सुलैमान के ओसारे में क्या उत्तर दिया?

यीशु ने कहा कि उन्होंने पहले ही उन्हें बताया था (कि वे मसीह हैं) लेकिन उन्होंने उन पर विश्वास नहीं किया क्योंकि वे उनकी भेड़ें नहीं थीं।

यूहन्ना 10:28

यीशु अपनी भेड़ों की देखभाल और सुरक्षा के बारे में क्या कहते हैं?

यीशु ने कहा कि वे अपनी भेड़ों को अनन्त जीवन देते हैं, वे कभी नाश नहीं होंगी, और कोई भी उन्हें उनके हाथ से नहीं छीन सकता।

यूहन्ना 10:29

यीशु को भेड़ें किसने दीं?

पिता ने भेड़ों को यीशु को दे दिया।

यूहन्ना 10:29 (#2)

क्या कोई पिता से बड़ा है?

नहीं। पिता सबसे बड़े हैं।

यूहन्ना 10:33

यहूदीयों ने यीशु पर पथराव करने पत्थर क्यों उठाए?

क्योंकि उनका मानना था कि यीशु परमेश्वर की निन्दा कर रहे थे और मनुष्य होकर स्वयं को परमेश्वर बना रहे थे।

यूहन्ना 10:34-36

परमेश्वर की निन्दा के आरोपों के विरुद्ध यीशु का बचाव क्या है?

यीशु अपना बचाव करते हुए कहते हैं, "क्या तुम्हारी व्यवस्था में नहीं लिखा है कि ‘मैंने कहा, तुम ईश्वर हो’? यदि उसने उन्हें ईश्वर कहा जिनके पास परमेश्वर का वचन पहुँचा (और पवित्रशास्त्र की बात लोप नहीं हो सकती।) तो जिसे पिता ने पवित्र ठहराकर जगत में भेजा है, तुम उससे कहते हो, ‘तू निन्दा करता है,’ इसलिए कि मैंने कहा, ‘मैं परमेश्वर का पुत्र हूँ।’

यूहन्ना 10:37-38

यीशु यहूदियों से यह पूछते हैं कि वे कैसे निर्धारित करेंगे कि उन्हें उन पर विश्वास करना चाहिए या नहीं?

यीशु यहूदियों से कहते हैं कि वे उनके कामों को देखें। यदि यीशु अपने पिता के काम नहीं कर रहे हैं, तो उन पर विश्वास न करें।

यूहन्ना 10:38

यीशु कहते हैं कि यहूदी क्या जान सकते और समझ सकते हैं यदि वे उन कामों पर विश्वास करें जो यीशु ने किए हैं?

यीशु ने कहा कि वे जान सकते हैं और समझ सकते हैं कि पिता यीशु में हैं और यीशु पिता में हैं।

यूहन्ना 10:39

यीशु के इस कथन कि पिता यीशु में हैं और यीशु पिता में हैं पर यहूदियों की क्या प्रतिक्रिया थी?

तब उन्होंने फिर उसे पकड़ने का प्रयत्न किया।

यूहन्ना 10:40

इस घटना के बाद यीशु कहाँ गए?

यीशु फिर से यरदन के पार उस स्थान पर गए जहाँ यूहन्ना पहले बपतिस्मा दिया करते थे।

यूहन्ना 10:41–42

यीशु के पास आने वाले अनेक लोगों ने क्या कहा और क्या किया?

वे कहते रहे, "यूहन्ना ने तो कोई चिन्ह नहीं दिखाया, परन्तु जो कुछ यूहन्ना ने इसके विषय में कहा था वह सब सच था।" और वहाँ बहुतों ने उस पर विश्वास किया।

यूहन्ना 11:1–2

लाज़र कौन थे? और मरियम कौन थीं?

लाज़र बैतनिय्याह का एक मनुष्य था। उनकी बहनें मरियम और मार्था थीं। यह वही मरियम थीं जिन्होंने प्रभु पर इत्र डालकर अभिषेक किया था और अपने बालों से उनके पाँवों को पोंछे थे।

यूहन्ना 11:4

जब यीशु ने सुना कि लाज़र बीमार हैं, तो यीशु ने उनके बारे में क्या कहा?

यीशु ने कहा, "यह बीमारी मृत्यु की नहीं, परन्तु परमेश्वर की महिमा के लिये है, कि उसके द्वारा परमेश्वर के पुत्र की महिमा हो।"

यूहन्ना 11:6

जब यीशु ने सुना कि लाज़र बीमार हैं, तो उन्होंने क्या किया?

यीशु जिस स्थान पर वह थे, वहाँ दो दिन और ठहर गए।

यूहन्ना 11:8

जब यीशु ने अपने चेलों से कहा, "आओ, हम फिर यहूदिया को चलें," तो चेलों ने क्या कहा?

चेलों ने यीशु से कहा, "हे रब्बी, अभी तो यहूदी तुझे पथराव करना चाहते थे, और क्या तू फिर भी वहीं जाता है?"

यूहन्ना 11:9

यीशु ने दिन को चलने के विषय में क्या कहा?

यीशु ने कहा कि यदि कोई दिन में चलता है, तो वह ठोकर नहीं खाता क्योंकि वह जगत का उजाला देखता है।

यूहन्ना 11:10

यीशु ने रात में चलने के विषय में क्या कहा?

यदि कोई रात में चलता है, तो वह ठोकर खाता है क्योंकि उसमें प्रकाश नहीं है।

यूहन्ना 11:12–13

चेलों ने कैसे समझा कि लाज़र सो गए हैं?

चेलों ने सोचा कि लाज़र नींद से सो गए हैं।

यूहन्ना 11:13

यीशु का क्या अर्थ था जब उन्होंने कहा कि लाज़र सो गया है?

जब यीशु ने कहा कि लाज़र सो गया है, तो वे लाज़र की मृत्यु के बारे में बोल रहे थे।

यूहन्ना 11:15

यीशु इस बात से क्यों आनन्दित थे कि वे वहाँ नहीं थे जब लाज़र की मृत्यु हुई?

यीशु ने कहा, "मैं तुम्हारे कारण आनन्दित हूँ कि मैं वहाँ न था जिससे तुम विश्वास करो।"

यूहन्ना 11:16

थोमा को क्या लगा कि यदि वे यहूदिया वापस जाते हैं तो क्या होगा?

थोमा ने सोचा कि वे सभी मारे जाएंगे।

यूहन्ना 11:17

जब यीशु आए, तब लाज़र कितने समय से कब्र में थे?

लाज़र को कब्र में चार दिन हो चुके थे।

यूहन्ना 11:20

जब मार्था ने सुना कि यीशु आ रहे हैं, तब उन्होंने क्या किया?

जब मार्था ने सुना कि यीशु आ रहे हैं, तो वह उनसे भेंट करने को गई।

यूहन्ना 11:22

मार्था ने क्या सोचा कि परमेश्वर यीशु के लिए क्या करेंगे?

मार्था ने कहा, "अब भी मैं जानती हूँ, कि जो कुछ तू परमेश्वर से माँगेगा, परमेश्वर तुझे देगा।"

यूहन्ना 11:24

जब यीशु ने मार्था से कहा, "तेरा भाई जी उठेगा।" तो मार्था ने यीशु को क्या उत्तर दिया?

उसने यीशु से कहा, "मैं जानती हूँ, अन्तिम दिन में पुनरुत्थान के समय वह जी उठेगा।"

यूहन्ना 11:25-26

यीशु ने क्या कहा कि उन लोगों के साथ क्या होगा जो उस पर विश्वास करते हैं?

यीशु ने कहा कि जो कोई भी उन पर विश्वास करता है, वह यदि मर भी जाए, तो भी जीएगा; और जो कोई जीवित है और उन पर विश्वास करता है, वह अनन्तकाल तक न मरेगा।

यूहन्ना 11:27

यीशु के बारे में मार्था की गवाही क्या थी?

मार्था ने यीशु से कहा, "हाँ, हे प्रभु, मैं विश्वास कर चुकी हूँ, कि परमेश्वर का पुत्र मसीह जो जगत में आनेवाला था, वह तू ही है।"

यूहन्ना 11:29

मरियम कहाँ जा रही थीं?

मरियम उठकर यीशु के पास आई।

यूहन्ना 11:31

जब मरियम उठकर बाहर गई, तो उसके साथ जो यहूदी थे उन्होंने क्या सोचा और क्या किया?

जो यहूदी मरियम के साथ घर में थे, उन्होंने सोचा कि वह कब्र पर रोने को जाती है, इसलिए वे उनके पीछे-पीछे चले गए।

यूहन्ना 11:33-35

ऐसा क्या था जिसने यीशु को आत्मा में बहुत ही उदास, व्याकुल होने और रोने के लिए प्रेरित किया?

यीशु आत्मा में आत्मा में बहुत ही उदास हो गए, व्याकुल हो गए और रोए जब उन्होंने मरियम और उसके साथ आए यहूदियों को रोते हुए देखा।

यूहन्ना 11:36

यहूदियों ने क्या निष्कर्ष निकाला जब उन्होंने यीशु को रोते हुए देखा?

उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि यीशु लाज़र से प्यार करते थे।

यूहन्ना 11:39

यीशु ने जिस कब्र में लाज़र को रखा था, उसके मुँह से पत्थर उठाने की आज्ञा दी थी, उस पर मार्था को क्या आपत्ति थी?

मार्था ने कहा, "हे प्रभु, उसमें से अब तो दुर्गन्ध आती है, क्योंकि उसे मरे चार दिन हो गए।"

यूहन्ना 11:40

मार्था के पत्थर हटाने के आपत्ति पर यीशु का उत्तर क्या है?

यीशु ने मार्था से कहा, "क्या मैंने तुझ से न कहा था कि यदि तू विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी।"

यूहन्ना 11:41

कब्र से पत्थर हटाए जाने के तुरंत बाद यीशु ने क्या किया?

यीशु ने अपनी आँखें उठाईं और अपने पिता से ऊँचे स्वर में प्रार्थना की।

यूहन्ना 11:42

यीशु ने ऊँची आवाज़ में प्रार्थना क्यों की और अपने पिता से जो कहा, वह क्यों था?

उन्होंने ऊँची आवाज़ में प्रार्थना की और जो कुछ उन्होंने कहा, वह उनके आस-पास खड़ी भीड़ के कारण था, ताकि वे विश्वास कर सकें कि पिता ने उन्हें भेजा था।

यूहन्ना 11:44

जब यीशु ने ऊँची आवाज़ में पुकारा, "हे लाज़र, निकल आ!" तो क्या हुआ?

जो मर गया था, वह कफन से हाथ पाँव बंधे हुए निकल आया और उसका मुँह अँगोछे से लिपटा हुआ था।

यूहन्ना 11:45–46

जब यहूदियों ने लाज़र को कब्र से बाहर आते देखा, तो उनकी प्रतिक्रिया क्या थी?

जब कई यहूदियों ने देखा कि यीशु ने क्या किया है, तो उन्होंने उन पर विश्वास किया, लेकिन कितनों ने फरीसियों के पास जाकर यीशु के कामों का समाचार दिया।

यूहन्ना 11:50

प्रधान याजकों और फरीसियों की महासभा की बैठक में कैफा ने क्या भविष्यद्वाणी की?

कैफा ने कहा कि उनके लिए यह उचित था कि लोगों के लिए एक मनुष्य मरे बजाय इसके कि सारी जाति नाश हो जाए।

यूहन्ना 11:53

उस दिन से आगे, महासभा ने क्या योजना बनाई थी?

उन्होंने उसी दिन से यीशु को मार डालने की सम्मति करने लगे।

यूहन्ना 11:54

यीशु ने लाज़र को जी उठाने के बाद क्या किया?

यीशु अब यहूदियों के बीच प्रगट होकर नहीं चलते थे, बल्कि वे बैतनिय्याह से देश के निकट जंगल के निकटवर्ती प्रदेश की ओर एक नगर में चले गए, जिसे एप्रैम कहा जाता है। वहाँ वे अपने चेलों के साथ रहते थे।

यूहन्ना 11:57

प्रधान याजकों और फरीसियों ने क्या आज्ञा दिए?

उन्होंने यह आज्ञा दे रखी थी कि यदि कोई यह जाने कि यीशु कहाँ है तो बताए ताकि वे उन्हें पकड़ सकें।

यूहन्ना 12:1

यीशु बैतनिय्याह में कब आए?

फिर यीशु फसह से छः दिन पहले बैतनिय्याह में आए।

यूहन्ना 12:3

मरियम ने उस भोज में क्या किया जो यीशु के लिए आयोजित किया गया था?

मरियम ने बहुमूल्य और जटामासी से बने इत्र का आधा सेर लिया, उसे यीशु के पाँवों पर डाला, और अपने बालों से उनके पाँव पोंछे।

यूहन्ना 12:4–6

यहूदा इस्करियोती, जो यीशु के शिष्यों में से एक थे, ने क्यों शिकायत की कि इत्र को बेचा जाना चाहिए था और रुपये-पैसे गरीबों को दिए जाने चाहिए थे?

यहूदा ने यह इसलिए नहीं कहा क्योंकि उसे गरीबों की चिन्ता थी, बल्कि इसलिए क्योंकि वह एक चोर था: उसके पास रुपये-पैसे की थैली रहती थी और वह उसमें से कुछ अपने लिए निकाल लेता था।

यूहन्ना 12:7–8

यीशु ने मरियम के द्वारा इत्र (जटामासी) के उपयोग का किस प्रकार समर्थन किया?

यीशु ने कहा, "उसे मेरे गाड़े जाने के दिन के लिये रहने दे।क्योंकि गरीब तो तुम्हारे साथ सदा रहते हैं, परन्तु मैं तुम्हारे साथ सदा न रहूँगा।"

यूहन्ना 12:9

बैतनिय्याह में बड़ी भीड़ क्यों एकत्र हुई?

वे यीशु और उस लाज़र को देखने के लिए आए, जिसे यीशु ने मरे हुओं में से जिलाया था।

यूहन्ना 12:10–11

प्रधान याजकों ने लाज़र को क्यों मार डालना चाहते थे?

वे लाज़र को मारना चाहते थे क्योंकि उसी के कारण बहुत से यहूदी चले गए, और यीशु पर विश्वास किया।

यूहन्ना 12:13

जब भीड़ ने सुना कि यीशु आ रहे हैं, तो उन्होंने क्या किया?

वे खजूर की डालियाँ लेकर उनसे भेंट करने को निकले और पुकारने लगे, "होशाना! धन्य इस्राएल का राजा, जो प्रभु के नाम से आता है।"

यूहन्ना 12:14–15

जब यीशु एक गदहे पर बैठकर शहर में प्रवेश कर रहे थे, तब उनके बारे में कौन सी भविष्यद्वाणी पूरी हुई?

यह भविष्यद्वाणी कि सिय्योन के राजा गदहे के बच्चे पर चढ़ा हुआ चला आता है, पूरी हुई।

यूहन्ना 12:17–18

पर्व में भीड़ यीशु से मिलने क्यों गई थी?

वे यीशु से मिलने के लिए निकल गए क्योंकि उन्होंने लोगों के गवाही से सुना था कि यीशु ने लाज़र को कब्र से बाहर बुलाया था और उसे मरे हुओं में से जिलाया था।

यूहन्ना 12:23

जब अन्द्रियास और फिलिप्पुस ने यीशु से कहा कि कुछ यूनानी उन्हें देखना चाहते हैं, तो यीशु ने सबसे पहले क्या कहा?

यीशु ने उन्हें उत्तर दिया और कहा, "वह समय आ गया है, कि मनुष्य के पुत्र कि महिमा हो।

यूहन्ना 12:24

यीशु के अनुसार यदि गेहूँ का दाना भूमि में पड़कर मर जाता है, तो क्या होगा?

यीशु ने कहा कि यदि यह मर जाता है तो बहुत फल लाता है।

यूहन्ना 12:25

यीशु ने क्या कहा कि इस जगत में जो अपने प्राण को प्रिय जानता है और जो अपने प्राण को अप्रिय जानता है, उसके साथ क्या होगा?

यीशु ने कहा कि जो अपने प्राण को प्रिय जानता है, वे उसे खो देंगे, लेकिन जो इस जगत में अपने प्राण को अप्रिय जानता है, वे अनन्त जीवन के लिये उसकी रक्षा करेंगे।

यूहन्ना 12:26

परमेश्वर उन व्यक्तियों के साथ कैसा व्यवहार करेंगे जो यीशु की सेवा करते हैं?

पिता उसका आदर करेंगे।

यूहन्ना 12:28

जब यीशु ने कहा, "हे पिता अपने नाम की महिमा कर।" तब क्या हुआ?

तब यह आकाशवाणी हुई, "मैंने उसकी महिमा की है, और फिर भी करूँगा।"

यूहन्ना 12:30

यीशु ने आकाशवाणी आने का क्या कारण बताया?

यीशु ने कहा कि यह शब्द उनके लिए नहीं थी, बल्कि यहूदियों के लिए थी।

यूहन्ना 12:31

यीशु ने क्या कहा कि अब होने वाला है?

यीशु ने कहा, "अब इस जगत का न्याय होता है, अब इस जगत का सरदार निकाल दिया जाएगा।"

यूहन्ना 12:32–33

यीशु ने क्यों कहा, "और मैं यदि पृथ्वी पर से ऊँचे पर चढ़ाया जाऊँगा, तो सब को अपने पास खीचूँगा।"?

यीशु ने यह संकेत दिया कि वह कैसी मृत्यु से मरेंगे।

यूहन्ना 12:34–35

जब भीड़ ने पूछा कि उन्होंने क्या कहा था, तो क्या यीशु ने उन्हें सीधे उत्तर दिया?

नहीं, उन्होंने उनके प्रश्नों का सीधे उत्तर नहीं दिया।

यूहन्ना 12:35–36

यीशु ने ज्योति के विषय में क्या कहा?

यीशु ने कहा, "ज्योति अब थोड़ी देर तक तुम्हारे बीच में है, जब तक ज्योति तुम्हारे साथ है तब तक चले चलो ..." उन्होंने यह भी कहा, "जब तक ज्योति तुम्हारे साथ है, ज्योति पर विश्वास करो कि तुम ज्योति के सन्तान बनो।"

यूहन्ना 12:37–38

लोगों ने यीशु पर विश्वास क्यों नहीं किया?

उन्होंने विश्वास नहीं किया ताकि यशायाह भविष्यद्वक्ता का वचन पूरा हो सके, जो उन्होंने कहा: "हे प्रभु, हमारे समाचार पर किसने विश्वास किया है? और प्रभु का भुजबल किस पर प्रगट हुआ?"

यूहन्ना 12:39–40

लोग यीशु पर विश्वास क्यों नहीं कर पाए?

वे विश्वास इसलिए नहीं कर सके क्योंकि जैसा यशायाह ने कहा, "उसने उनकी आँखें अंधी, और उनका मन कठोर किया है; कहीं ऐसा न हो, कि आँखों से देखें, और मन से समझें, और फिरें, और मैं उन्हें चंगा करूँ।"

यूहन्ना 12:41

यशायाह ने ये बातें क्यों कहीं?

उन्होंने ये बातें इसलिए कहीं क्योंकि उन्होंने यीशु की महिमा देखी और उनके विषय में बातें की।

यूहन्ना 12:42–43

जिन सरदारों ने यीशु में विश्वास किया, वे इसे क्यों नहीं मानते थे?

वे इसे नहीं मानते थे, क्योंकि वे फरीसियों से डरते थे और आराधनालय से निकाले नहीं जाना चाहते थे। मनुष्यों की प्रशंसा उनको परमेश्वर की प्रशंसा से अधिक प्रिय लगती थी।

यूहन्ना 12:44–45

यीशु अपने और अपने पिता के बारे में क्या कहते हैं?

यीशु ने कहा, "जो मुझ पर विश्वास करता है, वह मुझ पर नहीं, वरन् मेरे भेजनेवाले पर विश्वास करता है। और जो मुझे देखता है, वह मेरे भेजनेवाले को देखता है।

यूहन्ना 12:47

यीशु ने क्या कहा कि वे जगत में क्या करने आए थे?

यीशु ने कहा कि वे जगत का उद्धार करने के लिए आए थे।

यूहन्ना 12:48

जो लोग यीशु को तुच्छ जानते हैं और उनके वचनों को ग्रहण नहीं करते, उनको दोषी कौन ठहराएगा?

जो लोग उनको तुच्छ जानते हैं, उनके लिए अन्तिम दिन पर वही वचन दोषी ठहराएगा जो यीशु ने कहा है।

यूहन्ना 12:49

क्या यीशु ने अपनी ओर से बातें की?

नहीं। पिता जिन्होंने यीशु को भेजा, उन्होंने उन्हें आज्ञा दी है कि उन्हें क्या कहना और बोलना चाहिए।

यूहन्ना 12:50

यीशु ने लोगों से वही क्यों बोला जो पिता ने उनसे कहने के लिए कहा था?

यीशु ने यह इसलिए किया क्योंकि वे जानते थे कि उनके पिता की आज्ञा अनन्त जीवन है।

यूहन्ना 13:1

यीशु ने अपने लोगों से कब तक प्रेम किया?

वह उन्हें अन्त तक प्रेम रखते थे।

यूहन्ना 13:2

शैतान ने यहूदा इस्करियोती के साथ क्या किया?

शैतान ने यहूदा इस्करियोती के मन में प्रभु यीशु को पकड़वाने का विचार डाल चुका था।

यूहन्ना 13:3

पिता ने यीशु को क्या हाथ में कर दिया है?

पिता ने सब कुछ यीशु के हाथ में कर दिया है।

यूहन्ना 13:3 (#2)

यीशु कहाँ से आए थे और कहाँ जा रहे थे?

यीशु परमेश्वर के पास से आए थे और परमेश्वर के पास वापस जा रहे थे।

यूहन्ना 13:4–5

यीशु ने भोजन पर से उठकर क्या किया?

उन्होंने अपने बाहरी कपड़े उतार दिए, एक अँगोछा लेकर अपनी कमर बाँधी। फिर उन्होंने एक बर्तन में पानी भरकर चेलों के पाँव धोने और अँगोछे से पोंछने लगे।

यूहन्ना 13:8

जब पतरस ने यीशु के द्वारा अपने पाँव धोने पर आपत्ति जताई, तब यीशु ने क्या कहा?

यीशु ने कहा, "यदि मैं तुझे न धोऊँ, तो मेरे साथ तेरा कुछ भी भाग नहीं।"

यूहन्ना 13:11

यीशु ने अपने चेलों से क्यों कहा, "तुम सब के सब शुद्ध नहीं"?

यीशु ने यह इसलिए कहा क्योंकि वे जानते थे कि उन्हें कौन पकड़वानेवाले वाला था।

यूहन्ना 13:14–15

यीशु ने चेलों के पाँव क्यों धोए?

यीशु ने चेलों के पाँव इसलिए धोए ताकि वे चेलों को यह नमूना दिखा सकें कि उन्हें एक-दूसरे के लिए वैसा ही करना चाहिए जैसा उन्होंने उनके लिए किया।

यूहन्ना 13:16

क्या दास अपने स्वामी से बड़ा हो सकता है, या भेजा हुआ अपने भेजनेवाले से बड़ा हो सकता है?

दास अपने स्वामी से बड़ा नहीं होता और जो भेजा हुआ है, वह अपने भेजनेवाले से बड़ा नहीं होता।

यूहन्ना 13:18

किसने यीशु पर अपनी लात उठाई?

जिन्होंने यीशु की रोटी खाई, उन्होंने यीशु पर अपनी लात उठाई।

यूहन्ना 13:19

यीशु ने अपने चेलों से क्यों कहा, "तुम सब के सब शुद्ध नहीं" और "'जो मेरी रोटी खाता है, उसने मुझ पर लात उठाई"?

यीशु ने उन्हें यह पहले बताया ताकि जब यह घटित हो, तो वे विश्वास करें कि वही "मैं हूँ" है।

यूहन्ना 13:20

यदि आप यीशु द्वारा भेजे गए किसी भी व्यक्ति को ग्रहण करते हैं तो आप किसे ग्रहण करते हैं ?

यदि आप किसी को भी ग्रहण करते हैं जिसे यीशु ने भेजा है, तो आप यीशु को ग्रहण करते हैं, और आप उस भेजनेवाले को भी ग्रहण करते हैं जिसने यीशु को भेजा है।

यूहन्ना 13:24

जब यीशु ने अपने चेलों से कहा कि उनमें से एक उन्हें पकड़वाएगा, तो शमौन पतरस ने क्या किया?

शमौन पतरस ने उस चेले की ओर जिसे यीशु प्रेम करते थे संकेत करके पूछा, "बता तो, वह किसके विषय में कहता है?"।

यूहन्ना 13:26

जब उस चेले ने, जिसे यीशु प्रेम करते थे, यीशु से पूछा कि कौन उन्हें पकड़वाएगा, तो यीशु ने कैसे प्रतिक्रिया दी?

यीशु ने उत्तर दिया, "जिसे मैं यह रोटी का टुकड़ा डुबोकर दूँगा, वही है।" फिर यीशु ने रोटी का टुकड़ा डुबोकर और इसे शमौन के पुत्र यहूदा इस्करियोती को दिया।

यूहन्ना 13:27

यहूदा के साथ क्या हुआ, और जब यीशु ने यहूदा को रोटी दी, तो उसने क्या किया?

यहूदा ने रोटी लेने के बाद, शैतान उसमें समा गया और वह तुरन्त बाहर चला गया।

यूहन्ना 13:30

यहूदा के साथ क्या हुआ, और यीशु ने यहूदा को रोटी देने के बाद उन्होंने क्या किया?

यहूदा ने रोटी लेने के बाद, शैतान उसमें समा गया और वह तुरन्त बाहर चला गया।

यूहन्ना 13:31

परमेश्वर की महिमा कैसे प्रकट होने वाली थी?

मनुष्य के पुत्र में परमेश्वर की महिमा प्रकट होने वाली थी। जब मनुष्य के पुत्र की महिमा प्रकट हुई, तब परमेश्वर की महिमा उसमें हुई।

यूहन्ना 13:33

क्या शमौन पतरस समझ पाए कि यीशु कहाँ जा रहे थे जब यीशु ने उनसे कहा, "जहाँ मैं जाता हूँ, वहाँ तुम नहीं आ सकते,"?

नहीं, शमौन पतरस ने नहीं समझ पाए, क्योंकि उन्होंने यीशु से पूछा, "हे प्रभु, तू कहाँ जाता है?"

यूहन्ना 13:34

यीशु ने अपने चेलों को कौन सी नई आज्ञा दी?

नई आज्ञा यह थी कि उन्हें एक-दूसरे से वैसे ही प्रेम रखना चाहिए जैसे यीशु ने उनसे प्रेम रखा।

यूहन्ना 13:35

यीशु ने क्या कहा कि अगर उनके चेले एक-दूसरे से प्रेम रखने की आज्ञा मानें तो क्या होगा?

यीशु ने कहा कि इस आज्ञा का पालन करने से सब जानेंगे कि आप उनके चेले हैं।

यूहन्ना 13:38

जब शमौन पतरस ने कहा, "मैं तो तेरे लिये अपना प्राण दूँगा।" तो यीशु ने कैसे उत्तर दिया?

यीशु ने उत्तर दिया, "क्या तू मेरे लिये अपना प्राण देगा? मैं तुझ से सच-सच कहता हूँ कि मुर्गा बाँग न देगा जब तक तू तीन बार मेरा इन्कार न कर लेगा।"

यूहन्ना 14:1–3

चेलों के मन को क्यों व्याकुल नहीं होना चाहिए?

उनके मन व्याकुल इसलिए नहीं होने चाहिए क्योंकि यीशु उनके लिए एक स्थान तैयार करने जा रहे हैं, और यीशु फिर से आएंगे ताकि उन्हें अपने पास ले सकें ताकि जहाँ यीशु हैं, वे भी वहीं रह सकें।

यूहन्ना 14:2

पिता के घर में क्या-क्या है?

पिता के घर में बहुत से रहने के स्थान हैं।

यूहन्ना 14:3

यीशु चेलों के लिए क्या करने वाले थे?

यीशु उनके लिए एक जगह तैयार करने जा रहे थे और फिर उनके पास वापस आएंगे।

यूहन्ना 14:6

पिता के पास आने का एकमात्र मार्ग क्या है?

पिता के पास आने का एकमात्र मार्ग यीशु के माध्यम से है।

यूहन्ना 14:8

फिलिप्पुस यीशु से क्या करने के लिए कहते हैं जो चेलों के लिए बहुत होगा?

फिलिप्पुस यीशु से कहते हैं, "हे प्रभु, पिता को हमें दिखा दे: यही हमारे लिये बहुत है।"

यूहन्ना 14:10

क्या यीशु अपने चेलों से अपनी ओर से बात कर रहे हैं?

यीशु अपनी ओर से नहीं बोल रहे हैं। इसके बजाय, यह पिता हैं जो उनमें निवास कर रहे हैं और पिता का काम कर रहे हैं।

यूहन्ना 14:11

यदि कोई अन्य कारण नहीं है, तो यीशु क्यों कहते हैं कि चेले विश्वास करें कि यीशु पिता में हैं और पिता यीशु में हैं?

यीशु कहते हैं कि उन्हें इस बात पर विश्वास करना चाहिए, यदि किसी अन्य कारण से नहीं तो केवल यीशु के कामों के कारण।

यूहन्ना 14:12

यीशु क्यों कहते हैं कि चेले उनके द्वारा किए गए काम से भी बड़े काम कर सकेंगे?

यीशु कहते हैं कि चेले और भी बड़े काम करेंगे क्योंकि यीशु पिता के पास जा रहे हैं।

यूहन्ना 14:13

यीशु अपने नाम से जो कुछ भी चेले मांगेंगे, वह क्यों करेंगे?

यीशु इसे करेंगे ताकि पुत्र के द्वारा पिता की महिमा हो।

यूहन्ना 14:15

यीशु कहते हैं कि यदि आप उनसे प्रेम रखते हैं तो आप क्या करेंगे?

यीशु कहते हैं कि यदि आप उनसे प्रेम रखते हैं, तो आप उनके आज्ञाओं को मानोगे।

यूहन्ना 14:17

यीशु उस दूसरे सहायक को क्या कहते हैं जिसे पिता अपने चेलों के साथ हमेशा रहने के लिए देंगे?

यीशु उन्हें सत्य का आत्मा कहते हैं।

यूहन्ना 14:17 (#2)

संसार सत्य की आत्मा को क्यों नहीं ग्रहण कर सकता है?

संसार सत्य की आत्मा को ग्रहण नहीं कर सकता, क्योंकि यह उसे देखता नहीं है और न ही उसे जानता है।

यूहन्ना 14:17 (#3)

यीशु कहाँ कहते हैं कि सत्य का आत्मा कहाँ होगा?

यीशु ने कहा कि सत्य की आत्मा चेलों के साथ और उनमें रहेंगी।

यूहन्ना 14:21

जिसके पास यीशु की आज्ञाएँ हैं और जो उन्हें मानता है, उसके साथ क्या होगा?

उन लोगों को यीशु और उनके पिता द्वारा प्रेम ररखा जाएगा और यीशु अपने आपको उन लोगों पर प्रकट करेंगे।

यूहन्ना 14:26

जब पिता सहायक अर्थात् पवित्र आत्मा को भेजेंगे, तो वह क्या करेंगे?

सहायक अर्थात् पवित्र आत्मा चेलों को सब बातें सिखाएंगे और उन्हें वह सब स्मरण दिलाएंगे जो यीशु ने कहा था।

यूहन्ना 14:28

यीशु के जाने पर चेलों को क्यों आनन्दित होना चाहिए था?

यीशु ने कहा कि उन्हें आनन्दित होना चाहिए क्योंकि यीशु पिता के पास जा रहे हैं, क्योंकि पिता यीशु से बड़ा है।

यूहन्ना 14:30

यीशु यह क्यों कहते हैं कि वे चेलों से बहुत बातें नहीं करेंगे?

क्योंकि यीशु जो कारण देते हैं वह यह है कि इस संसार का सरदार आ रहा है।

यूहन्ना 15:1

सच्ची दाखलता कौन हैं?

यीशु ही सच्ची दाखलता हैं।

यूहन्ना 15:1 (#2)

दाखलता का किसान कौन है?

पिता दाखलता का किसान है।

यूहन्ना 15:2

पिता उन डाली के साथ क्या करते हैं जो मसीह में हैं?

पिता उन डाली को काट डालते हैं जो फल नहीं देतीं, और जो डाली फल देती है, उसे वह छाँटते हैं ताकि वह और फले।

यूहन्ना 15:3

चेले शुद्ध क्यों हैं?

वे यीशु द्वारा कहे गए वचन के कारण शुद्ध हैं।

यूहन्ना 15:5

डालियाँ कौन हैं?

हम डालियाँ हैं।

यूहन्ना 15:5 (#2)

फल फलने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

फल फलने के लिए आपको यीशु में बने रहना होगा।

यूहन्ना 15:6

यदि आप यीशु में बने नहीं रहते हैं तो क्या होता है?

यदि कोई यीशु में बने नहीं रहता, तो उसे एक डाली के समान फेंक दिया जाता है, वह सूख जाता है और जला दिया जाता है।

यूहन्ना 15:7

हमें क्या करना चाहिए ताकि जो कुछ भी हम माँगें, वह हमारे लिए हो जाए?

हमें यीशु में बने रहना चाहिए और उनकी बातें हम में बना रहना चाहिए। तब हम जो कुछ भी चाहेंगे, माँग सकते हैं, और यह हमारे लिए हो जाएगा।

यूहन्ना 15:8

पिता की महिमा के दो तरीके कौन से हैं?

पिता की महिमा तब होती है जब हम बहुत फल लाते हैं और जब हम यीशु के चेले ठहरेंगे।

यूहन्ना 15:10

हमें यीशु के प्रेम में बने रहने के लिए क्या करना आवश्यक है?

हमें उनकी आज्ञाओं का मानना चाहिए।

यूहन्ना 15:13

किसी व्यक्ति का सबसे बड़ा प्रेम क्या हो सकता है?

इससे बड़ा प्रेम किसी का नहीं होता कि कोई अपने मित्रों के लिए अपना प्राण अर्पित कर दें।

यूहन्ना 15:14

हम कैसे जान सकते हैं कि हम यीशु के मित्र हैं?

यदि हम वे बातें करते हैं जो यीशु ने हमें आज्ञा दी हैं, तो हम यीशु के मित्र होते हैं।

यूहन्ना 15:15

यीशु ने चेलों को अपने मित्र क्यों कहा?

उन्होंने उन्हें मित्र कहा, क्योंकि उन्होंने उन्हें वे सभी बातें बताईं जो उन्होंने अपने पिता से सुनी थीं।

यूहन्ना 15:19

संसार यीशु से प्रेम रखने वालों से बैर क्यों करता है?

संसार उन लोगों से बैर करता है जो यीशु से प्रेम रखते हैं क्योंकि वे इस संसार के नहीं हैं और क्योंकि यीशु ने उन्हें संसार में से चुन लिया है।

यूहन्ना 15:24

यीशु ने ऐसा क्या किया कि संसार के पास अपने पाप के लिए कोई बहाना न रहे?

संसार के पास उनके पाप के लिए कोई बहाना नहीं है क्योंकि यीशु आए और उनके बीच वे काम किए जो किसी और ने नहीं किए थे।

यूहन्ना 15:26–27

यीशु के बारे में कौन गवाही देगा?

सहायक, जो सत्य की आत्मा हैं, यीशु के बारे में गवाही देंगे।

यूहन्ना 15:27

चेले यीशु के बारे में गवाही क्यों देंगे?

वे यीशु के बारे में गवाही देंगे क्योंकि वे आरम्भ से ही उनके साथ थे।

यूहन्ना 16:1

यीशु ने चेलों से ये बातें क्यों कहीं?

यीशु ने उनसे ये बातें कहीं ताकि वे ठोकर न खाएं।

यूहन्ना 16:3

लोग यीशु के चेलों को आराधनालयों से बाहर क्यों निकालेंगे और उनमें से कुछ को मार डालेंगे?

यह वे इसलिए करेंगे कि उन्होंने न पिता को जाना है और न यीशु को जानते हैं।

यूहन्ना 16:4

यीशु ने चेलों को आरम्भ में इन बातों के बारे में क्यों नहीं बताया?

यीशु ने उन्हें ये बातें आरम्भ में नहीं बताया क्योंकि वे उनके साथ थे।

यूहन्ना 16:7

यीशु के चले जाने से क्यों अच्छा है?

यह यीशु के लिए अच्छा है कि वे चले जाएं क्योंकि सहायक उनके पास नहीं आएंगे जब तक यीशु नहीं जाते; लेकिन अगर यीशु चले जाते हैं, तो वे उनके पास सहायक को भेजेंगे।

यूहन्ना 16:8

सहायक संसार को किन बातों के लिए निरुत्तर करेंगे?

सहायक संसार को पाप, धार्मिकता और न्याय के विषय में निरुत्तर करेंगे।

यूहन्ना 16:13

जब सत्य का आत्मा आएगा तो वह शिष्यों के लिए क्या करेगा?

वह शिष्यों को सभी सत्य में मार्ग बताएंगे; क्योंकि वह अपनी ओर से नहीं बोलेंगे; परन्तु जो कुछ वह सुनते हैं, वही बातें वह कहेंगे और उन्हें आने वाली बातों की घोषणा करेंगे।

यूहन्ना 16:14

सत्य का आत्मा यीशु की महिमा कैसे करेंगे?

वह यीशु की बातें लेकर और उन्हें शिष्यों को बताकर यीशु की महिमा करेंगे।

यूहन्ना 16:15

सत्य की आत्मा यीशु की बातों का क्या करेगी?

सत्य की आत्मा यीशु की बातों को लेगी और उन्हें शिष्यों को बताएगी।

यूहन्ना 16:17–18

चेलों को यीशु की कौन-कौन सी बातें समझ में नहीं आईं?

वे नहीं समझे जब यीशु ने कहा, "थोड़ी देर में तुम मुझे न देखोगे, और फिर थोड़ी देर में मुझे देखोगे?" और जब उन्होंने कहा,"इसलिए कि मैं पिता के पास जाता हूँ?"

यूहन्ना 16:20

चेलों का शोक कैसे दूर होगा?

उनका शोक आनन्द बन जाएगा।

यूहन्ना 16:22

ऐसा क्या होगा जिससे चेले आनन्दित होंगे?

वे फिर से यीशु को देखेंगे, और उनके मन आनन्दित हो उठेंगे।

यूहन्ना 16:24

यीशु ने चेलों से माँगने और पाने के लिए क्यों कहा?

यीशु कहते हैं कि ऐसा इसलिए करें ताकि उनका आनन्द पूरा हो जाए।

यूहन्ना 16:27

पिता स्वयं यीशु के चेलों से प्रेम क्यों करते हैं?

पिता चेलों से प्रेम करते हैं क्योंकि चेलों ने यीशु से प्रेम रखा और विश्वास किया कि वे पिता की ओर से आए थे।

यूहन्ना 16:28

यीशु कहाँ से आए थे और कहाँ वापस जा रहे थे?

यीशु पिता की ओर से जगत में आए जगत को छोड़कर पिता के पास वापस लौटने वाले थे।

यूहन्ना 16:32

उस घड़ी यीशु ने कहा कि चेले क्या करेंगे?

यीशु ने कहा कि चेले तितर-बितर हो जाएंगे, अपना-अपना मार्ग लेंगे ओर चला जाएंगे, और वे यीशु को अकेला छोड़ देंगे।

यूहन्ना 16:32 (#2)

जब चेले यीशु को अकेला छोड़ देंगे, तब भी उनके साथ कौन रहेगा?

पिता तब भी यीशु के साथ होंगे।

यूहन्ना 16:33

यीशु ने चेलों से क्यों कहा कि वे ढाढ़स बाँधो, भले ही संसार में उन्हें क्लेश हों?

यीशु ने उन्हें ढाढ़स बाँधने को कहा क्योंकि उन्होंने संसार पर जीत प्राप्त कर ली थी।

यूहन्ना 17:2

पिता ने यीशु को सभी प्राणियों पर अधिकार क्यों दिया?

पिता ने यह इसलिए किया ताकि यीशु उन सभी को अनन्त जीवन दे सकें जिन्हें पिता ने उन्हें सौंपा है।

यूहन्ना 17:3

अनन्त जीवन का अर्थ क्या है?

अनन्त जीवन का अर्थ है पिता को जानना, जो एकमात्र सच्चे परमेश्वर हैं, और यीशु मसीह जिसे उन्होंने भेजा है उनको जानना।

यूहन्ना 17:4

यीशु ने पृथ्वी पर परमेश्वर की महिमा कैसे प्रकट की?

उन्होंने यह पिता द्वारा सौंपा गया काम पूरा करके किया।

यूहन्ना 17:5

यीशु कौन सी महिमा चाहते हैं?

वह उस महिमा को चाहते हैं जो उनके पास पिता के साथ थी, इससे पहले कि जगत की सृष्टि हुई थी।

यूहन्ना 17:6

यीशु ने पिता का नाम किसे प्रगट किया?

यीशु ने उन लोगों पर पिता का नाम प्रगट किया जिन्हें पिता ने जगत में यीशु को दिया था।

यूहन्ना 17:8

जिन लोगों को पिता ने यीशु को सौंपा, उन्होंने यीशु के बातों पर कैसे प्रतिक्रिया दी?

उन्होंने यीशु के बातों को ग्रहण किया और सच-सच जान लिया कि यीशु पिता से आए हैं, और उन्होंने विश्वास किया कि पिता ने यीशु को भेजा है।

यूहन्ना 17:9

यीशु किसके लिए विनती नहीं कर रहे हैं?

यीशु कहते हैं कि वे संसार के लिए विनती नहीं कर रहे हैं।

यूहन्ना 17:11

संक्षेप में, यीशु पिता से उन लोगों के लिए क्या करने की विनती करते हैं जिन्हें पिता ने यीशु को सौंपा है?

यीशु पिता से विनती करते हैं कि वे उन्हें पिता के नाम में उनकी रक्षा करें ताकि वे उनके समान एक हो सकें, जैसे कि पिता और पुत्र एक हैं।

यूहन्ना 17:12

जब यीशु जगत में थे, तब उन्होंने उन लोगों के लिए क्या किया जिन्हें पिता ने उन्हें दिया था?

यीशु ने उनकी रक्षा की, ताकि कोई नाश न हो।

यूहन्ना 17:15

संक्षेप में, यीशु पिता से उन लोगों के लिए क्या करने के लिए विनती करते हैं जिन्हें पिता ने यीशु को दिया है?

यीशु पिता से विनती करते हैं कि वे उन्हें दुष्ट से बचाए रखें।

यूहन्ना 17:19

यीशु ने अपने आपको पवित्र क्यों किया?

यीशु ने अपने आपको इसलिए पवित्र किया ताकि जिन्हें पिता ने उन्हें दिया है, वे भी सत्य के द्वारा पवित्र किए जाएँ।

यूहन्ना 17:20

यीशु किनके लिए विनती करते हैं?

यीशु उन लोगों के लिए विनती करते हैं जो उस समय उनके अनुयायियों के वचनों के द्वारा उन पर विश्वास करेंगे।

यूहन्ना 17:21

यीशु पिता से उन लोगों के लिए क्या करने की विनती करते हैं जिन्हें पिता ने यीशु को दिया है?

यीशु पिता से विनती करते हैं कि वे उन्हें पिता के नाम में बचाए रखें ताकि वे एक हो सकें, और यीशु और पिता दोनों में एक हो सकें, जिससे जगत विश्वास करे कि परमेश्वर ने यीशु को भेजा है।

यूहन्ना 17:23

पिता उन लोगों से कैसे प्रेम रखते हैं जिन्हें उन्होंने यीशु को दिया है?

पिता उन्हें उसी प्रकार प्रेम रखते हैं जैसे उन्होंने यीशु से प्रेम रखा था।

यूहन्ना 17:24

यीशु पिता से उन लोगों के लिए क्या करना चाहते हैं जिन्हें पिता ने यीशु को सौंपा है?

यीशु चाहते हैं कि उनके अनुयायी वहाँ हों जहाँ वह हैं, ताकि वे उनकी महिमा देख सकें।

यूहन्ना 17:26

यीशु ने पिता का नाम उन लोगों को क्यों बताया और बताएंगे जिन्हें पिता ने उन्हें दिया है?

यीशु ने इसे बताया और बताएंगे ताकि वह प्रेम, जिससे पिता ने यीशु से प्रेम किया, उनमें रहे और यीशु भी उनमें वास कर सकें।

यूहन्ना 18:1

ये बातें कहकर यीशु कहाँ गए?

वे अपने चेलों के साथ किद्रोन नाले के पार एक बारी में गए, और उसमें प्रवेश किया।

यूहन्ना 18:2

यहूदा को उस बारी के बारे में कैसे जानकारी थी?

उन्हें इसके बारे में पता था क्योंकि यीशु अक्सर अपने चेलों के साथ वहाँ जाया करते थे।

यूहन्ना 18:3

और कौन बारी में दीपकों, मशालों और हथियारों को लिए हुए आए?

यहूदा सैन्य-दल को और प्रधान याजकों और फरीसियों की ओर से प्यादों को लेकर, बारी में आए।

यूहन्ना 18:4

यीशु ने बारी में इस दल से क्या पूछा?

यीशु ने उनसे पूछा, "किसे ढूँढ़ते हो?"

यूहन्ना 18:6

जब लोगों के समूह ने कहा कि वे यीशु नासरी को ढूँढ़ रहे हैं और यीशु ने उत्तर दिया, "मैं हूँ," तो क्या हुआ?

सैन्य-दल और उनके साथ अन्य लोग पीछे हटकर भूमि पर गिर पड़े।

यूहन्ना 18:8–9

यीशु ने क्यों कहा, "मैं तो तुम से कह चुका हूँ कि मैं हूँ, यदि मुझे ढूँढ़ते होतो इन्हें जाने दो।"?

यीशु ने यह इसलिए कहा ताकि वह वचन पूरा हो सके जो उन्होंने कहा था: "जिन्हें तूने मुझे दिया, उनमें से मैंने एक को भी न खोया।"

यूहन्ना 18:10–11

जब पतरस ने महायाजक के दास मलखुस का कान काट दिया, तब यीशु ने पतरस से क्या कहा?

यीशु ने पतरस से कहा, "अपनी तलवार काठी में रख। जो कटोरा पिता ने मुझे दिया है क्या मैं उसे न पीऊँ?"

यूहन्ना 18:13

जब सिपाहियों और उनके सूबेदार और यहूदियों के प्यादों ने यीशु को पकड़कर बाँध लिया, तो वे उन्हें कहाँ ले गए?

वे पहले यीशु को हन्ना के पास ले गए।

यूहन्ना 18:13 (#2)

हन्ना कौन थे?

हन्ना कैफा के ससुर थे, जो उस वर्ष के महायाजक थे।

यूहन्ना 18:16

पतरस महायाजक के बाहर द्वार में कैसे पहुँचे?

वह दूसरा चेला, जो महायाजक का जाना पहचाना था, बाहर गया और द्वारपालिन से बात की, और उसने पतरस को भीतर ले आया।

यूहन्ना 18:19–21

संक्षेप में, जब महायाजक ने यीशु से उनके चेलों और उनकी उपदेश के बारे में पूछा, तो यीशु ने क्या उत्तर दिया?

यीशु ने कहा कि उन्होंने जगत से खुलकर बातें की। उन्होंने प्रधान याजक से कहा कि वे उन लोगों से पूछें जिन्होंने उन्हें सुना है कि उन्होंने क्या कहा।

यूहन्ना 18:24

हन्ना ने यीशु से सवाल करने के बाद, यीशु को कहाँ भेजा?

हन्ना ने यीशु को महायाजक कैफा के पास भेज दिया।

यूहन्ना 18:25–26

किसने पतरस से पूछा कि क्या वह यीशु के चेलों में से है?

द्वारपालिन, कोयले धधकाकर खड़े आग ताप रहे दास और प्यादे और महायाजक के दास में से एक, जो उस पुरुष का कुटुम्ब में से था जिसका कान पतरस ने काट दिया था, सभी ने पतरस से पूछा कि क्या वह यीशु के साथ थे या यीशु के चेलों में से थे।

यूहन्ना 18:27

तीसरी बार मसीह के साथ जुड़े होने से इन्कार करने के तुरन्त बाद पतरस के साथ क्या हुआ?

जैसे ही पतरस ने तीसरी बार मसीह के साथ जुड़े होने से इन्कार किया, मुर्गे ने बाँग दी।

यूहन्ना 18:28

जो लोग यीशु को किले के भीतर ले गए, वे स्वयं उसमें प्रवेश क्यों नहीं किए?

वे किले के भीतर इसलिए प्रवेश नहीं किए ताकि वे अशुद्ध न हों परन्तु फसह खा सकें।

यूहन्ना 18:29–30

जब पिलातुस ने उनसे पूछा, "तुम इस मनुष्य पर किस बात का दोषारोपण करते हो?" तो यीशु के आरोपियों ने क्या उत्तर दिया?

उन्होंने उत्तर दिया और उससे कहा, "यदि वह कुकर्मी न होता तो हम उसे तेरे हाथ न सौंपते।"

यूहन्ना 18:31

यहूदी यीशु को स्वयं न्याय करने के बजाय पिलातुस के पास क्यों ले गए?

यहूदी यीशु को मारना चाहते थे, लेकिन रोमी अधिकारियों (पिलातुस) से अनुमति के बिना उनके लिए किसी व्यक्ति के प्राण को लेना का व्यवस्था के अनुसार अधिकार नहीं था।

यूहन्ना 18:33–35

पिलातुस ने यीशु से क्या प्रश्न किया?

पिलातुस ने यीशु से पूछा, "क्या तू यहूदियों का राजा है?"

यूहन्ना 18:36

यीशु ने पिलातुस को अपने राज्य के बारे में क्या बताया?

यीशु ने पिलातुस से कहा कि उनका राज्य इस जगत का नहीं है और यहाँ से उत्पन्न नहीं होता।

यूहन्ना 18:37

यीशु का जन्म किस उद्देश्य से हुआ था?

यीशु राजा बनने और सत्य की गवाही देने के लिए जन्म लिए थे।

यूहन्ना 18:38

यीशु से बात करने के बाद पिलातुस उनके बारे में क्या निर्णय देता है?

पिलातुस ने यहूदियों से कहा, "मैं तो उसमें कुछ दोष नहीं पाता।

यूहन्ना 18:39–40

जब पिलातुस ने यीशु को छोड़ने की पेशकश की, तो यहूदियों ने पिलातुस से क्या कहा?

यहूदियों ने फिर से चिल्लाकर कहा, "इसे नहीं परन्तु हमारे लिये बरअब्बा को छोड़ दे।"

यूहन्ना 19:2–3

पिलातुस ने यीशु को कोड़े लगवाने के बाद सिपाहियों ने यीशु के साथ क्या किया?

सिपाहियों ने काँटों का मुकुट गूँथकर, उसे यीशु के सिर पर रखा, और उन्हें बैंगनी ऊपरी वस्त्र पहनाया। वे उनके पास आए और कहा, "हे यहूदियों के राजा, प्रणाम!" और उन्हें थप्पड़ मारे।

यूहन्ना 19:4

पिलातुस ने यीशु को फिर से लोगों के सामने क्यों प्रस्तुत किया?

पिलातुस यीशु को लोगों के सामने लाए ताकि वे जान सकें कि पिलातुस को यीशु में कुछ भी दोष नहीं मिला है।

यूहन्ना 19:5

जब पिलातुस ने प्रभु यीशु को लोगों के सामने वापस लाया, तब यीशु ने क्या पहना हुआ था?

यीशु काँटों का मुकुट और बैंगनी वस्त्र पहने हुए थे।

यूहन्ना 19:6

जब प्रधान याजकों और प्यादों ने यीशु को देखा, तो उन्होंने क्या कहा?

वे चिल्लाए और कहा, "उसे क्रूस पर चढ़ा, क्रूस पर!"

यूहन्ना 19:7–8

यहूदियों ने ऐसा क्या कहा जिससे पिलातुस और भी डर गए?

यहूदियों ने पिलातुस से कहा, "हमारी भी व्यवस्था है और उस व्यवस्था के अनुसार वह मारे जाने के योग्य है क्योंकि उसने अपने आपको परमेश्वर का पुत्र बताया।"

यूहन्ना 19:9

जब पिलातुस ने यीशु से पूछा, "तू कहाँ का है?" तो यीशु ने क्या कहा?

यीशु ने पिलातुस को कुछ भी उत्तर नहीं दिया।

यूहन्ना 19:11

यीशु ने कहा कि पिलातुस को यीशु पर अधिकार किसने दिया?

यीशु ने कहा, "यदि तुझे ऊपर से न दिया जाता, तो तेरा मुझ पर कुछ अधिकार न होता।"

यूहन्ना 19:12

हालाँकि पीलातुस यीशु को रिहा करना चाहता था, यहूदियों ने ऐसा क्या कहा जिससे वह ऐसा नहीं कर सका?

यहूदियों ने चिल्ला चिल्लाकर कहा, "यदि तू इसको छोड़ देगा तो तू कैसर का मित्र नहीं; जो कोई अपने आपको राजा बनाता है वह कैसर का सामना करता है।"

यूहन्ना 19:15–16

प्रधान याजकों ने पिलातुस से यीशु को क्रूस पर चढ़ाने के लिए सौंपने से पहले क्या अंतिम बात कही थी?

प्रधान याजकों ने कहा, "कैसर को छोड़ हमारा और कोई राजा नहीं।"

यूहन्ना 19:17–18

उन्होंने यीशु को कहाँ क्रूस पर चढ़ाया था?

उन्होंने यीशु को गुलगुता पर क्रूस पर चढ़ाया, जिसका अर्थ 'खोपड़ी का स्थान' है।

यूहन्ना 19:18

क्या उस दिन वहाँ केवल यीशु को ही क्रूस पर चढ़ाया गया था?

नहीं। यीशु के साथ दो मनुष्यों को, एक को इधर और एक को उधर, क्रूस पर चढ़ाया गया था।

यूहन्ना 19:19

पिलातुस ने यीशु के क्रूस पर जो दोष-पत्र लगाया था, उस पर क्या लिखा हुआ था?

उस दोष-पत्र पर उन्होंने लिखा, "यीशु नासरी यहूदियों का राजा।"

यूहन्ना 19:20

यीशु के क्रूस पर लिखा गया दोष-पत्र किन-किन भाषाओं में था?

यह दोष-पत्र इब्रानी, लतीनी और यूनानी में लिखा हुआ था।

यूहन्ना 19:23

सिपाही ने यीशु के कपड़े का क्या किया?

सिपाही ने यीशु के कपड़े को चार भाग किए, हर सिपाही के लिये एक भाग। लेकिन उन्होंने यह देखने के लिए चिट्ठी डाली कि यीशु की कुर्ता किसे मिलेगी, जो बिन सीअन ऊपर से नीचे तक बुना हुआ था।

यूहन्ना 19:23-24

सिपाही ने यीशु के कपड़े के साथ ऐसा क्यों किया?

यह इसलिए हुआ ताकि पवित्रशास्त्र की वह बात पूरी हो सके जिसमें कहा गया है, "उन्होंने मेरे कपड़े आपस में बाँट लिए।"

यूहन्ना 19:24

सिपाहियों ने यीशु के कपड़े का क्या किया?

सैनिकों ने यीशु के कपड़े को चार भाग किए, प्रत्येक सिपाही के लिए एक भाग। लेकिन उन्होंने यह देखने के लिए चिट्ठी डाली कि किसे यीशु का कुर्ता मिलेगा, जो बिन सीअन ऊपर से नीचे तक बुना हुआ था।

यूहन्ना 19:25-26

यीशु के क्रूस के पास कौन खड़े थे?

यीशु की माता, उनकी माता की बहन, क्लोपास की पत्नी मरियम, मरियम मगदलीनी, और वह चेला जिसे यीशु प्रेम रखते थे, यीशु के क्रूस के पास खड़े थे।

यूहन्ना 19:26

जब यीशु ने अपनी माता और अपने उस चेले को जिससे वह प्रेम रखते थे पास खड़े देखा, तो उन्होंने अपनी माता से क्या कहा?

यीशु ने उनसे कहा, "हे नारी, देख, यह तेरा पुत्र है।"

यूहन्ना 19:27

यीशु ने जब चेले से कहा, "देख, यह तेरी माता है।" तो उस चेले ने क्या किया?

उसी समय से वह चेला, जिससे वह प्रेम रखते थे थे, यीशु की माता को अपने घर ले गए।

यूहन्ना 19:28

यीशु ने क्यों कहा, "मैं प्यासा हूँ"?

यीशु ने यह बात इसलिए कही ताकि पवित्रशास्त्र की बात पूरी हो।

यूहन्ना 19:29-30

यीशु ने अपने मुँह के पास रखे भिगाए हुए पनसोख्ता से सिरका लेने के बाद क्या किया?

सिरका लेने के बाद, यीशु ने कहा, "पूरा हुआ" फिर उन्होंने अपना सिर झुकाकर प्राण त्याग दिए।

यूहन्ना 19:31

यहूदी क्यों चाहते थे कि पिलातुस मृत्युदंड प्राप्त पुरुषों की टाँगें तोड़?

यह तैयारी का दिन था, और इसलिए कि सब्त के दिन शव क्रूस पर न रहें (क्योंकि वह सब्त एक महत्वपूर्ण दिन था), यहूदियों ने पिलातुस से विनती की कि मृत्युदंड दिए गए लोगों के टाँगें तोड़ दिए जाएँ ताकि वे शीघ्र मर जाएँ और उनके शवों को नीचे उतारे जाएँ।

यूहन्ना 19:33

सिपाहियों ने यीशु की टाँगें क्यों नहीं तोड़ीं?

उन्होंने यीशु की टाँगें नहीं तोड़ीं, क्योंकि उन्होंने देखा कि वे पहले से ही मर चुके हैं।

यूहन्ना 19:34

सिपाहियों ने यीशु के पहले से ही मरा हुआ देखने के बाद क्या किया?

सिपाहियों में से एक ने बरछे से यीशु के पंजर बेधा और उसमें से तुरन्त लहू और पानी निकला।

यूहन्ना 19:35

यीशु के क्रूस पर चढ़ाए जाने की इन सभी घटनाओं को देखने वाले ने उनके बारे में गवाही क्यों दिया?

वे इन घटनाओं के गवाही दिए ताकि आप भी विश्वास कर सकें।

यूहन्ना 19:36–37

यीशु की टाँगें क्यों नहीं तोड़ी गईं और उन्हें बरछे से क्यों बेधा गया?

ये बातें इसलिए हुईं ताकि पवित्रशास्त्र पूरा हो सके, "उसकी कोई हड्डी तोड़ी न जाएगी।" और फिर, "जिसे उन्होंने बेधा है, उस पर दृष्टि करेंगे।"

यूहन्ना 19:38

यीशु के शरीर को ले जाने की अनुमति माँगने कौन आया?

अरिमतियाह के यूसुफ ने पिलातुस से विनती की कि क्या वे यीशु का शव को ले सकते हैं।

यूहन्ना 19:39

अरिमतियाह के यूसुफ के साथ यीशु के शरीर को लेने के लिए कौन आए?

नीकुदेमुस अरिमतियाह के यूसुफ के साथ आए।

यूहन्ना 19:40–41

अरिमतियाह के यूसुफ और नीकुदेमुस ने यीशु के शरीर का क्या किया?

उन्होंने यीशु के शरीर को सुगन्ध-द्रव्य के साथ कफन में लपेटा। फिर उन्होंने यीशु के शरीर को एक नई कब्र में रखा जो एक बारी में स्थित था।

यूहन्ना 20:1

मरियम मगदलीनी कब कब्र पर आईं?

वह सप्ताह के पहले दिन भोर को अंधेरा रहते ही कब्र पर आई।

यूहन्ना 20:1 (#2)

जब मरियम मगदलीनी कब्र पर पहुंचीं, तो उन्होंने क्या देखा?

उन्होंने देखा कि कब्र से पत्थर हटा दिया गया था।

यूहन्ना 20:2

मरियम मगदलीनी ने दो चेलों से क्या कहा?

उन्होंने उनसे कहा, "वे प्रभु को कब्र में से निकाल ले गए हैं; और हम नहीं जानतीं, कि उसे कहाँ रख दिया है।"

यूहन्ना 20:3–4

मरियम मगदलीनी की बात सुनने के बाद शमौन पतरस और वह दूसरा चेले ने क्या किया?

वे दोनों कब्र पर गए।

यूहन्ना 20:6–7

शमौन पतरस ने कब्र में क्या देखा?

पतरस ने देखा कि कपड़े वहां पड़े हुए थे। वह अँगोछा जो उसके सिर पर बन्धा हुआ था, वह कपड़ों के साथ नहीं था, परन्तु अलग एक जगह लपेटा हुआ देखा।

यूहन्ना 20:8

कब्र में जो उन्होंने देखा, उस पर दूसरा चेले की प्रतिक्रिया क्या थी?

उन्होंने देखकर विश्वास किया।

यूहन्ना 20:12

मरियम ने कब्र में झुककर देखने पर क्या देखा?

उन्होंने दो स्वर्गदूतों को उज्ज्वल कपड़े पहने हुए एक को सिरहाने और दूसरे को पैताने बैठे देखा, जहाँ यीशु का शव पड़ा था।

यूहन्ना 20:13

स्वर्गदूतों ने मरियम से क्या कहा?

उन्होंने उनसे पूछा, "हे नारी, तू क्यों रोती है?"

यूहन्ना 20:14

जब मरियम पीछे फिरी, तब उसने क्या देखा?

उन्होंने यीशु को वहाँ खड़े देखा, लेकिन वह नहीं पहचानी कि वह यीशु हैं।

यूहन्ना 20:15

मरियम को क्या लगा कि यीशु कौन थे?

उन्होंने सोचा कि वह माली हैं।

यूहन्ना 20:16

मरियम ने यीशु को कब पहचाना?

उन्होंने यीशु को तब पहचाना जब उन्होंने उनका नाम लिया, "मरियम।"

यूहन्ना 20:17

यीशु ने मरियम से यह क्यों कहा कि वह उन्हें न छुएं?

यीशु ने उससे कहा कि वह उन्हें न छुएं क्योंकि वे अब तक पिता के पास ऊपर नहीं गए थे।

यूहन्ना 20:17 (#2)

यीशु ने मरियम से अपने भाइयों से क्या कहने के लिए कहा?

यीशु ने उससे कहा कि वह उनके भाइयों से कहे कि वह अपने पिता और उनके पिता, और अपने परमेश्वर और उनके परमेश्वर के पास ऊपर जाएंगे।

यूहन्ना 20:18

पत्थर को कब्र से हटाया हुआ देखने के बाद मरियम मगदलीनी ने क्या किया?

उसने जाकर चेलों को यीशु का संदेश बताया।

यूहन्ना 20:19

पहले दिन की संध्या के समय चेलों के साथ क्या घटित हुआ?

यीशु आए और उनके बीच में खड़े हो गए।

यूहन्ना 20:20

यीशु ने चेलों को क्या दिखाया?

उन्होंने अपना हाथ और अपना पंजर उनको दिखाए।

यूहन्ना 20:21

यीशु ने चेलों से क्या कहा कि वे क्या करेंगे?

यीशु ने कहा कि वे चेलों को जैसे पिता ने उन्हें भेजा था, वैसे ही वह भी उनको भेजते हैं।

यूहन्ना 20:22–23

यीशु ने अपने चेलों पर फूँकते हुए उनसे क्या कहा?

उन्होंने उनसे कहा, “पवित्र आत्मा लो। जिनके पाप तुम क्षमा करो वे उनके लिये क्षमा किए गए हैं; जिनके तुम रखो, वे रखे गए हैं।”

यूहन्ना 20:24

जब अन्य चेले यीशु को देख रहे थे, तब कौन सा चेला उनके साथ उपस्थित नहीं थे?

बारह चेलों में से एक, थोमा, जिन्हें दिदुमुस कहा जाता था, यीशु के आने के समय अन्य चेलों के साथ नहीं थे।

यूहन्ना 20:25

थोमा ने क्या कहा कि उसे यह विश्वास करने के लिए क्या करना होगा कि यीशु जीवित है?

थोमा ने कहा कि उन्हें यीशु के हाथों में कीलों के छेद देखने होंगे और अपनी उँगली कील के छेद में डालना होगा तथा अपने हाथ को यीशु के पंजर में रखना होगा, इससे पहले कि वे विश्वास करें।

यूहन्ना 20:26

थोमा ने यीशु को कब देखा था?

आठ दिन बाद, जब द्वार बन्द थे, तो थोमा अन्य चेलों के साथ थे तभी यीशु आए और उनके बीच खड़े हो गए।

यूहन्ना 20:27

यीशु ने थोमा से क्या करने के लिए कहा?

यीशु ने थोमा से कहा कि वे अपनी उँगली से उनके हाथों को देखें और अपने हाथ से उनकी पंजर में डाल दें। यीशु ने फिर थोमा से कहा कि वे अविश्वासी न बनें, बल्कि विश्वास करें।

यूहन्ना 20:28

थोमा ने यीशु से क्या कहा?

थोमा ने कहा, “हे मेरे प्रभु, हे मेरे परमेश्वर!”

यूहन्ना 20:29

यीशु ने कहा कि कौन धन्य हैं?

यीशु ने कहा, "धन्य हैं वे जिन्होंने बिना देखे विश्वास किया।”

यूहन्ना 20:30

क्या यीशु ने ऐसे अन्य चिन्ह किए जो पुस्तक में दर्ज नहीं हैं?

हाँ, यीशु ने चेलों के सामने में कई अन्य चिन्ह किए, जो यूहन्ना की पुस्तक में नहीं लिखे गए हैं।

यूहन्ना 20:31

पुस्तक में चिन्ह क्यों लिखे गए थे?

यह इसलिए लिखे गए हैं ताकि आप विश्वास कर सकें कि यीशु ही परमेश्वर का पुत्र मसीह है, और ताकि आप विश्वास करते हुए उनके नाम से जीवन प्राप्त कर सकें।

यूहन्ना 21:1

जब यीशु अपने चेलों को पुनः प्रगट हुआ, तब वे कहाँ थे?

जब यीशु अपने चेलों को पुनः प्रगट हुआ तब चेले तिबिरियास झील पर थे।

यूहन्ना 21:2

कौन से चेले तिबिरियास झील पर इकट्ठे थे?

शमौन पतरस, थोमा, जो दिदुमुस कहलाता है, गलील के काना का नतनएल, जब्दी के पुत्र और यीशु के अन्य दो चेले तिबिरियास झील पर इकट्ठे थे।

यूहन्ना 21:3

वे चेले क्या कर रहे थे?

वे चेले मछली पकड़ने गए थे, लेकिन पूरी रात कुछ भी नहीं पकड़ पाए।

यूहन्ना 21:6

यीशु ने चेलों से क्या करने के लिए कहा?

यीशु ने चेलों से कहा कि नाव की दाहिनी ओर जाल डालो, तो पाओगे।

यूहन्ना 21:6 (#2)

जब चेलों ने अपने जाल डाले, तब क्या हुआ?

वे अपने जाल को नहीं खींच पाए क्योंकि उसमें बहुतायत में मछलियाँ थीं।

यूहन्ना 21:7

जब चेलों ने यीशु से कहा, “यह तो प्रभु है।” तब शमौन पतरस ने क्या किया?

उन्होंने अपने कमर में अंगरखा कस लिया और झील में कूद पड़ा।

यूहन्ना 21:8

अन्य चेलों ने क्या किया?

अन्य चेले डोंगी पर मछलियों से भरा हुआ जाल खींचते हुए आए।

यूहन्ना 21:10

यीशु ने चेलों से कहा कि वे पकड़ी गई कुछ मछलियों का क्या करें?

यीशु ने चेलों से कहा कि वे कुछ मछलियाँ लाएँ जो उन्होंने पकड़ी थीं।

यूहन्ना 21:14

जी उठने के बाद यीशु ने अब तक चेलों को कितनी बार दर्शन दिए थे?

जी उठने के बाद यह तीसरी बार था जब यीशु अपने चेलों को दर्शन दिए।

यूहन्ना 21:15

भोजन करने के बाद, यीशु ने सबसे पहले शमौन पतरस से क्या पूछा?

यीशु ने शमौन पतरस से पूछा, हे शमौन, यूहन्ना के पुत्र, क्या तू इनसे बढ़कर मुझसे प्रेम रखता है?

यूहन्ना 21:17

जब यीशु ने तीसरी बार पतरस से पूछा कि क्या वह उनसे प्रेम रखते हैं, तो शमौन पतरस ने कैसे उत्तर दिया?

तीसरी बार जब उनसे पूछा गया, तो पतरस ने उत्तर दिया, “हे प्रभु, तू तो सब कुछ जानता है: तू यह जानता है कि मैं तुझ से प्रीति रखता हूँ।”

यूहन्ना 21:17 (#2)

तीसरी बार जब पतरस यीशु के प्रश्न "क्या तू मुझसे प्रीति रखता है?" का उत्तर देते हैं, तो यीशु पतरस से क्या करने को कहते हैं?

तीसरी बार, यीशु ने उनसे कहा, "मेरी भेड़ों को चरा।"

यूहन्ना 21:18

यीशु ने शमौन पतरस से क्या कहा कि जब वह बूढ़ा होंगे तो उनके साथ क्या होगा?

यीशु ने शमौन पतरस से कहा कि जब वह बूढ़ा हो जाएंगे, तो वह अपने हाथ लम्बे करेंगे और दूसरे उनके कमर बाँधकर उन्हें वहाँ ले जाएंगे जहाँ वह नहीं जाना चाहेंगे।

यूहन्ना 21:19

यीशु ने पतरस को यह क्यों बताया कि जब वह बूढ़ा होंगे तो उनके साथ क्या होगा?

यीशु ने इन बातों से दर्शाया कि पतरस कैसी मृत्यु से परमेश्वर की महिमा करेंगे।

यूहन्ना 21:21

शमौन पतरस ने यीशु से उस चेला के बारे में क्या पूछा जिससे यीशु प्रेम रखते थे?

पतरस ने यीशु से पूछा, "हे प्रभु, इसका क्या हाल होगा?”

यूहन्ना 21:22

यीशु ने पतरस के प्रश्न, "हे प्रभु, इसका क्या हाल होगा?” का उत्तर कैसे दिया?

यीशु ने पतरस से कहा, "तू मेरे पीछे हो ले।”

यूहन्ना 21:24

इस पुस्तक को किसने लिखा और वह किन बातों कीगवाही देते हैं?

जिस चेले से यीशु प्रेम रखते थे, उसी ने यह पुस्तक लिखी और इन बातों की गवाही दी कि इस पुस्तक में लिखी हुई उनकी गवाही सच्ची है।